हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक : 341 : जौनपुर, मंगलवार 12 सितम्बर 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

यूपी में नई बनने वाली हर सड़क की पांच साल की हो गारंटी : योगी

एजेन्सी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी में बनने वाली हर सड़क की पांच वर्ष की गारंटी होनी चाहिए। अगर खराब हो तो निर्माता एजेंसी ही पुनर्निर्माण करे। सोमवार को विभिन्न विभागों के साथ बैठक करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष मॉनसून की स्थिति असामान्य है। आने वाले दिनों में कई जिलों में लगातार बारिश की संभावना है। इसका ध्यान रखते हुए नवंबर में दीपावली से पूर्व प्रदेशव्यापी सड़क गड्ढामुक्ति का अभियान चलाया जाए। उन्होंने सभी विभागों को यह निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित किया जाए कि सड़क बनाने वाली एजेंसीध्ठेकेदार सड़क बनने के अगले पांच वर्ष तक उसके अनुरक्षण की जिम्मेदारी भी उठाएगा। इस बारे में नियम–शर्ते स्पष्ट रूप से उल्लिखित की जाएं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने

आगामी नवंबर में दीपावली से पहले प्रदेश की सड़कों को गड्ढामुक्त बनाने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। जहां बरसात की स्थिति हो वहां, बोल्डर डालकर रोलर चलाकर आवागमन सुगम किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लोक निर्माण विभाग, एनएचएआई, मंडी परिषद, सिंचाई, ग्राम्य विकास एवं पंचायती राज, चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास, आवास, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आदि विभागों की करीब चार लाख किलोमीटर सड़कें हैं। हर एक सड़क पर चलना आम आदमी के लिए सुखद अनुभव वाला हो, यह सभी की जिम्मेदारी है। मेट्रो, एक्सप्रेस–वे जैसी बड़ी परियोजनाओं के कारण यदि पूर्व से संचालित सड़कें खराब होती हैं तो खराब होने के कारक विभाग को उत्तरदायी बनाया जाएगा। गड्ढा मुक्ति अभियान के लिए विभागीय कार्ययोजना से अवगत होते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सड़कों के लिए बजट का कोई अभाव नहीं है, आवश्यकता है कि सभी विभाग बेहतर नियोजन करें। अभियंताओं को निर्माण कार्य का बैकबोन की संज्ञा देते हुए उन्होंने कहा कि कहीं भी अभियंताओं की कमी न हो, आवश्यकता पड़े तो आउटसोर्सिंग से भी तैनाती की जानी चाहिए। विभागीय मंत्रियों व अधिकारियों को फील्ड में रैंडम दौरा निर्माण परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए जवाबदेही तय करने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कार्य को मैनुअल के स्थान पर मैकेनाइज्ड किये जाने पर बल दिया। उन्होंने यह भी कहा कि अभियंताओं की तैनाती केवल मेरिट के आधार पर ही किया जाए। प्रत्येक विभाग यह सुनिश्चित करे कि कहीं भी लोकहित से जुड़ी किसी परियोजना में माफिया,अपराधी प्रवृत्ति के लोगों को स्थान न मिले। उनके करीबी रिश्तेदारों और गैंग के गुर्गों को भी ठेके–पट्टे से दूर रखा जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि गड्ढामुक्ति और नवनिर्माण के अभियान की जियो टैगिंग कराई जाए। इसे पीएम गतिशक्ति पोर्टल से जोड़ा जाना चाहिए, साथ ही इसी तर्ज पर अपना पोर्टल भी विकसित किया जाना चाहिए ताकि कार्य की गुणवत्ता की अनवरत मॉनिटरिंग की जा सके। नगर विकास व ग्राम्य विकास विभाग को निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बरसात के कारण यदि कहीं जलभराव होता है तो तत्काल उसकी निकासी सुनिश्चित की जाए। विभागीय अधिकारी सड़कों पर मौजूद रहे। नगरों में आवारा श्वान की समस्या की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित एनिमल बर्थ कंट्रोल इकाइयों के शीघ्र क्रियान्वयन के अलावा अन्य उपयोगी प्रबंध करने के निर्देश भी दिए।

हिमाचल में बाढ़ प्रभावित जिलों का दौरा करेंगी कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी

एजेन्सी

नयी दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में भूस्खलन और भारी बारिश से हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा मंगलवार को हिमाचल प्रदेश के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगी। वह यहां कई राहत कार्यों का भी उद्घाटन करेंगी। कांग्रेस के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने यात्रा का विवरण साझा करते हुए कहा कि प्रियंका गांधी मनाली, कुल्लू, मंडी, शिमला और सोलन जिलों का दौरा करेंगी, जो हाल ही में आई भारी बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। पार्टी नेता ने कहा कि वह पहाड़ी राज्य में कई राहत कार्यों का भी उद्घाटन करेंगी और लोगों से उनकी समस्याओं पर बातचीत करेंगी। जुलाई और अगस्त में हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश और बाढ़ देखी गई, जिससे 400 से अधिक लोगों की मौत हो गई। भूस्खलन के कारण कई घर भी नष्ट हो गये। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राज्य के पुनर्निर्माण के लिए केंद्र सरकार से राहत पैकेज की मांग की है।

9 सितंबर को सुक्खू ने नई दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा आयोजित रात्रिभोज में भाग लिया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात की, और राज्य के हितों से

संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने पीएम को नुकसान की गंभीरता से अवगत कराया और इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की अपील की। मुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि 400 से अधिक लोग मारे गए और 13,000 से अधिक घर क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे हजारों लोग बेघर हो गए। उन्होंने कहा कि आपदा के परिणामस्वरूप राज्य को 12,000 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। सुक्खू ने यह भी कहा कि हिमाचल को पुनर्निर्माण और सुधार की राह तैयार करने के लिए केंद्र सरकार से पर्याप्त सहायता की आवश्यकता है। उन्होंने प्रधानमंत्री से भुज और केदारनाथ त्रासदी के दौरान प्रदान की गई सहायता के समानांतर हिमाचल प्रदेश को एक विशेष राहत पैकेज जारी करने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने अपनी ओर से आश्वासन दिया कि मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा।

पीएम मोदी ने विश्व गुरु के रूप में भारत की शक्ति का किया सफलतापूर्वक प्रदर्शन : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

एजेंसी, नई दिल्ली

राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत की जी20 की अध्यक्षता ने विश्व मंच पर एक अमिट छाप छोड़ी है, और

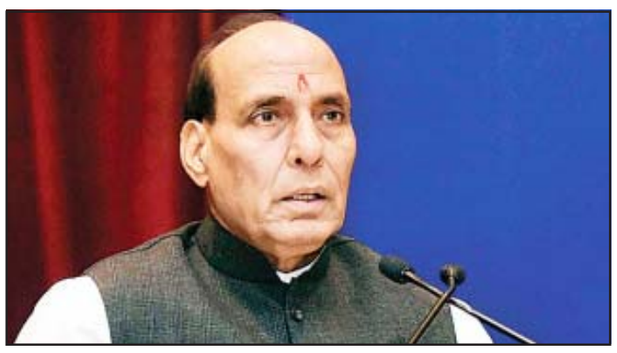

घोषणा पर बनी सहमति वैश्विक विश्वास की कमी को पूरा करने में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण की सराहना की और कहा कि उन्होंने विश्व गुरु और विश्व बंधु दोनों के रूप में भारत की शक्ति का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा कि नई दिल्ली में ऐतिहासिक जी20 शिखर सम्मेलन सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है। पीएम मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत की अध्यक्षता ने विश्व मंच पर एक अमिट छाप छोड़ी है। नई दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान बनी सहमति वैश्विक विश्वास की कमी को पूरा करने और वैश्विक विश्वास और आत्म विश्वास पैदा करने में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। जी20 घोषणापत्र, जिसमें यूक्रेन युद्ध और अन्य कार्रवाई योग्य कार्यों पर सर्वसम्मति वाला बयान शामिल है, राष्ट्रों को करीब लाने और एक सामान्य उद्देश्य के लिए उनके मतभेदों को पार करने की भारत की उल्लेखनीय क्षमता को प्रदर्शित करता है। जी20 इंडिया ने अरब प्रायद्वीप और यूरोप के साथ भारत की रणनीतिक भागीदारी को बढ़ाते हुए भारत–मध्य पूर्व– यूरोप आर्थिक गलियारा लॉन्च किया है। यह पहल भारत और अरब के बीच दीर्घकालिक कनेक्टिविटी स्थापित करने का एक अनूठा अवसर प्रस्तुत करती है।

प्रतिभा जैन ने अहमदाबाद मेयर के रूप में संभाला पदभार

एजेन्सी

अहमदाबाद। प्रतिभा जैन ने अहमदाबाद में मेयर के रुप में कार्यभार संभाला है। वहीं जतिन पटेल उनके डिप्टी चुने गए हैं। शाहीबाग वार्ड की वरिष्ठ पार्षद प्रतिभा जैन अब शहर के मेयर के रूप में काम करेंगी। देवांग दानी को अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) की स्थायी समिति के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है।

ईसीआई ने की बंगाल में लोकसभा चुनाव तैयारियों की समीक्षा बैठक

एजेन्सी

कोलकाता। निर्वाचन आयोग के दो वरिष्ठ उपचुनाव आयुक्तों धर्मेंद्र शर्मा और नितेश कुमार व्यास ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) आरिज आफताब के साथ मतदाता सूची के विशेष सारांश पुनरीक्षण और राज्य में 2024 लोकसभा चुनाव के लिए चुनाव तैयारियों पर समीक्षा बैठक की। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। समीक्षा बैठक में कई जिलों के जिला मजिस्ट्रेट और अन्य नियुक्त चुनाव अधिकारी भी भाग ले रहे हैं। अगले साल 42 सीटों वाले संसदीय चुनावों के लिए इस तरह की पहली समीक्षा बैठक में मतदाता सूची के पुनरीक्षण, नए मतदाताओं के नाम शामिल करने, मृत मतदाताओं के नाम हटाने और जाली ईपीआईसी (मतदाता) कार्डों को रद्द करने पर विशेष ध्यान दिया गया है। उल्लेखनीय है कि आने वाले ईसीआई अधिकारियों से आगामी चुनावों के सुरक्षा पहलुओं पर प्रत्यक्ष रिपोर्ट प्राप्त करने और हाल ही में पांच सितंबर को हुए धुपगुड़ी विधानसभा चुनाव के साथ–साथ इस साल के पंचायत चुनावों की भी समीक्षा करने की उम्मीद है।

वैश्विक निकायों में नयी वास्तविकताएं प्रतिबिंबित होनी चाहिए

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र सहित वैश्विक निकायों में सुधारों पर नए सिरे से जोर दिया और कहा कि दुनिया की ''नयी वास्तविकताएं'' ''नयी वैश्विक संरचना'' में प्रतिबिंबित होनी चाहिए क्योंकि यह प्रकृति का नियम है कि जो नहीं बदलते हैं समय के साथ उनकी प्रासंगिकता खत्म हो जाती है। जी20 शिखर सम्मेलन के 'एक भविष्य' सत्र में बदलाव की जरूरत वाले निकाय के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) का हवाला देते हुए मोदी ने कहा, ''यह जरूरी है कि दुनिया को बेहतर भविष्य की ओर ले जाने के लिए वैश्विक निकायों को वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करना चाहिए।''उन्होंने कहा कि जब संयुक्त राष्ट्र की स्थापना 51 सदस्यों के साथ हुई थी, तो दुनिया अलग थी और अब सदस्य देशों की संख्या लगभग 200 हो गई है। मोदी ने कहा, ''बावजूद इसके, यूएनएससी में स्थाई सदस्य आज भी उतने ही हैं। तब से आज तक दुनिया हर लिहाज से बहुत बदल चुकी है। परिवहन हो, संचार हो, स्वास्थ्य, शिक्षा, हर क्षेत्र का कायाकल्प हो चुका है। ये नयी वास्तविकताएं हमारी नयी वैश्विक संरचना में प्रतिबिंबित होनी चाहिए।'' यूएनएससी के पांच स्थायी सदस्यों में अमेरिका, चीन, फ्रांस, ब्रिटेन और रूस शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, ''हमें खुले मन से विचार करना होगा कि आखिर

क्या कारण है कि बीते वर्षों में अनेक क्षेत्रीय मंच अस्तित्व में आए हैं, और ये प्रभावी भी सिद्ध हो रहे हैं।'' सुधारों की वकालत करते हुए उन्होंने कहा कि इसीलिए शनिवार को अफ्रीकी संघ को जी20 का सदस्य बनाकर एक ऐतिहासिक पहल की गई। प्रधानमंत्री ने कहा, ''इसी तरह, हमें बहुपक्षीय विकास बैंक के 'मैंडेट' का विस्तार भी करना होगा। इस दिशा में हमारे फैसले तुरंत होने चाहिए और प्रभावी भी होने चाहिए।'' मोदी ने अपने संबोधन में साइबर सुरक्षा और 'क्रिप्टो करेंसी' को दुनिया के वर्तमान और भविष्य को प्रभावित करने वाले ज्वलंत मुद्दों में से एक बताया। उन्होंने कहा कि क्रिप्टो करेंसी सामाजिक व्यवस्था और मौद्रिक एवं वित्तीय स्थिरता के लिए एक नया विषय है। उन्होंने इसे विनियमित करने के लिए वैश्विक मानकों के विकास की मांग की। मोदी ने कहा कि साइबर जगत आतंकवाद के लिए वित्त पोषण का एक नया स्रोत बनकर उभरा है और इसे सुरक्षित करने के लिए वैश्विक सहयोग और ढांचा आवश्यक है। उन्होंने कहा, ''यह हर देश की सुरक्षा और समृद्धि के लिए बहुत महत्वपूर्ण विषय है।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''जब हम हर देश की सुरक्षा और संवेदनशीलता का ख्याल रखेंगे तो 'एक भविष्य' की भावना मजबूत होगी।'' उन्होंने कहा कि दुनिया नयी पीढ़ी की प्रौद्योगिकी में अकल्पनीय पैमाने और गति देख रही है। उन्होंने उदाहरण के रूप में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का हवाला देते हुए कहा कि जी20 देशों को 2019 में समूह द्वारा अपनाए गए ''एआई पर सिद्धांतों'' से आगे बढ़ने की जरूरत है।

मोदी ने कहा, ''मेरा सुझाव है कि अब हम जिम्मेदार मानव केंद्रित सुशासन के लिये एक फ्रेमवर्क तैयार करें। इस संबंध में भारत भी अपने सुझाव देगा। हमारा प्रयास होगा कि सामाजिक– आर्थिक विकास, वैश्विक कार्यबाल और अनुसंधान एवं विकास जैसे क्षेत्रों में सभी देशों को एआई का लाभ मिले।'' जीडीपी–केंद्रित दृष्टिकोण के बजाय मानव–केंद्रित दृष्टिकोण के लिए अपने प्रयास पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने कहा कि भारत ने मानवता के हित में अपने चंद्र मिशन के डेटा को सभी के साथ साझा करने की इच्छा व्यक्त की है। उन्होंने कहा, ''यह मानव–केंद्रित विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है।

ममता ने कहा, अभिषेक बनर्जी को अनावश्यक रूप से परेशान किया जा रहा

एजेन्सी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को दावा किया कि उनके भतीजे और तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को फ्केंद्रीय एजेंसियां अनावश्यक रूप से परेशान कर रही हैं। उनका यह बयान प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा रविवार शाम को अभिषेक बनर्जी को जारी किए गए नए समन के मद्देनजर आया है। अभिषेक बनर्जी को पश्चिम बंगाल में स्कूल में नौकरी के लिए करोड़ों रुपये के नकद मामले के संबंध में 13 सितंबर को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा, यह और कुछ नहीं बल्कि राजनीतिक प्रतिशोध है।

उन्हें अनावश्यक रूप से परेशान किया जा रहा है, जबकि इस मामले में उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं है। वे हमेशा उन्हें अनावश्यक रूप से परेशान करते हैं। उन्हें न्याय के लिए एक अदालत से दूसरे अदालत में भागना पड़ता है। उनका एकमात्र इरादा युवा पीढ़ी को परेशान करना है। देश के युवा उन्हें उचित जवाब देंगे।''

राज्य सचिवालय में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने कहा, राजनीतिक प्रतिशोध का यह सिंड्रोम उन लोगों को भी एक दिन प्रभावित कर सकता है जो इस तरह की राजनीति का सहारा ले रहे हैं। पश्चिम बंगाल के सीएम

ने कहा, ष्आज, आप सत्ता में हैं। कल आप सत्ता में नहीं होंगे और सत्ता में रहने वाले लोग आपके खिलाफ वही तरीका अपना सकते हैं। मैंने सुना है कि (आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री) एन. चंद्रबाबू नायडू को गिरफ्तार कर लिया गया है। मुझे यह पसंद नहीं आया।'' इस बीच, उन्होंने पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस द्वारा लिखे गोपनीय पत्र का खुलासा करने से इनकार कर दिया। ममता बनर्जी ने आगे कहा कि आवश्यक संवैधानिक संशोधन किए बिना ष्इंडियाष् का नाम बदलकर भारत करने के खिलाफ हैं।

सनातन धर्म का 'अपमान किया गया, राहुल और उद्धव ने एक शब्द नहीं कहा : अनुराग ठाकुर

एजेन्सी

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने सोमवार को कहा कि सनातन धर्म का ''अपमान करने के प्रयास किए जा रहे हैं और उन्होंने इस पर ''चुप्पी साधने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी तथा शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) प्रमुख उद्धव ठाकरे पर निशाना साधा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता की यह टिप्पणी द्रमुक(द्रविड़ मुनेत्र कषगम) नेता उदयनिधि स्टालिन द्वारा दिए बयान को लेकर मचे बवाल के बीच आई है। उदयनिधि स्टालिन ने कहा था कि सनातन धर्म लोगों में विभाजन और भेदभाव को बढ़ावा देता है और इसका उन्मूलन किया जाना चाहिए। द्रमुक नेता ए राजा ने सनातन धर्म की तुलना 'कुष्ठ रोग और 'एचआईवी जैसी बीमारियों से की थी। राहुल गांधी ने शनिवार को कहा था कि उन्होंने भगवद्गीता पढ़ी है और कई उपनिषद पढ़े हैं तथा भाजपा जो करती है उसमें हिंदू (धर्म) जैसा कुछ भी नहीं है, बिल्कुल भी नहीं। इस पर ठाकुर ने कहा, ''विपक्ष को सनातन धर्म के अपमान पर अपनी चुप्पी तोड़नी चाहिए। उन्होंने दावा किया, ''विपक्ष केवल सनातन धर्म का अपमान करने में लगा हुआ है। यह उनकी मानसिकता दिखाता है और सनातन धर्म का अपमान करने की एक के बाद एक कोशिश जारी है।

इंडिया बनाम भारत बहस को लेकर राहुल गांधी की टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर ठाकुर ने कहा कि कुछ लोगों की ''डर तथा भ्रम फैलाने और झूठ बोलनेश्श की आदत होती है और इन लोगों ने अपनी पूरी जिंदगी यही किया है। शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने रविवार को दावा किया कि उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के बाद ''गोधरा जैसी घटना हो सकती है। इस पर ठाकुर ने दावा किया कि कुछ लोग सत्ता के लालच में अपनी विचारधारा भूल गए हैं। ठाकुर ने कहा, ''मुझे नहीं पता कि बालासाहेब (शिवसेना के दिवंगत संस्थापक और उद्धव ठाकरे के पिता) आज क्या सोचते और उद्धव जी सत्ता के लालच के लिए आज क्या कर रहे हैं। जब सनातन धर्म के बारे में कई सारी बातें कही जा रही है तो राहुल जी और उद्धव जी ने एक शब्द नहीं कहा। अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले जनवरी 2024 में अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन हो सकता है।

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया के दल सनातन हिंदू धर्म को मिटाना चाहते हैं : मुख्यमंत्री सावंत

एजेन्सी

इंदौर। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने सोमवार को तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया में शामिल दल सनातन हिंदू धर्म को मिटाना चाहते हैं। सावंत ने इंदौर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा,''बाबर जैसे मुगल शासकों, अंग्रेजों और जबरिया धर्मांतरण के एजेंडा के साथ गोवा आए पुर्तगालियों ने सनातन हिंदू धर्म को मिटाने की कोशिश की थी, लेकिन ये सब इसमें कामयाब नहीं हो सके। अब 'इंडिया गठबंधन में शामिल दल मिलकर सनातन धर्म को मिटाना चाहते हैं। इसलिए सनातन हिंदू धर्म के लोगों के लिए उचित रहेगा कि वे इन दलों को भगाएं। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया में शामिल दलों के नेता सनातन हिंदू धर्म के बारे में लगातार अपशब्द का इस्तेमाल कर रहे हैं और सनातन हिंदू धर्म का अपमान इस गठजोड़ की नीति है। सावंत ने यह भी कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) का नाम बदलकर भले ही इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) कर दिया गया है, लेकिन नाम बदलने से नीतियां और काम नहीं बदलता। उन्होंने कहा कि 'इंडिया गठबंधन में शामिल तमाम दलों की हकीकत जनता अच्छे से जानती है। शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने दावा किया है कि उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के लिए देशभर से बड़ी संख्या में लोगों के जुटने की उम्मीद की जा रही है और इस समारोह में शामिल होकर वापस लौट रहे लोगों के साथ ''गोधरा जैसी घटना हो सकती है। ठाकरे के इस बयान को लेकर प्रतिक्रिया मांगे जाने पर सावंत ने कहा,''मुझे पता नहीं है कि ठाकरे के मन में राम मंदिर के उद्घाटन कार्यक्रम के संबंध में शंका–कुशंका क्यों है। आप (मीडिया) इस बारे में उनसे ही सवाल कीजिएगा। गोवा के मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने जी20 शिखर सम्मेलन का सबसे सफल आयोजन किया है और इस जमावड़े में सर्वसम्मति से घोषणापत्र को स्वीकार किया गया है। उन्होंने कहा कि जी20 शिखर सम्मेलन की सफलता भारत के लिए गौरव की बात है।

सम्पादकीय

शिखर की सफलता

निस्संदेह, दो दिवसीय जी–20 शिखर सम्मेलन के पहले दिन ही साझा घोषणापत्र पर सहमति बनना अभूतपूर्व रहा। वह भी ऐसे मौके पर जब पश्चिमी देश रूस के खिलाफ यूक्रेन युद्ध के लिये निंदा प्रस्ताव लाना चाह रहे थे। यह भारत की कूटनीतिक कामयाबी थी कि घोषणा में यह बात भी आई कि यह युद्ध का युग नहीं है, रूस को नसीहत भी कि परमाणु हमला या धमकी अस्वीकार्य है। सम्मेलन में रूसी राष्ट्रपति पुतिन व चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के न आने के बाद कयास लगाये जा रहे थे कि शायद घोषणा पत्र पर सहमति न बन सके। लेकिन कूटनीतिक कौशल के साथ भारत सरकार ने शब्दों के चयन में ऐसी कुशलता दर्शायी कि अमेरिका व पश्चिमी देशों के साथ रूस व चीन के प्रतिनिधि भी साझा प्रस्ताव से सहमत हुए। निस्संदेह, जी–20 सम्मेलन भारत के नाम रहा। विकासशील देशों के आर्थिक व ऊर्जा के मामले को हम मुद्दा बनाने में सफल रहे। यह नरेंद्र मोदी सरकार की विदेशी नीति की कामयाबी है कि हमारी प्रतिष्ठा विश्व में शीर्ष पर पहुंची हैं। निस्संदेह, इन वैश्विक मुद्दों पर बीस देशों की सहमति बनाना एक कठिन काम था, जिसे भारत ने संभव बनाया। जिसके लिए सफल कूटनीति व दृढ़ राजनीतिक इच्छा शक्ति की जरूरत थी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि भारत जहां जी–20 के सूत्रधार अमेरिका को बात मनवा पाया, वहीं पुराने मित्र रूस से संबंधों की लाज रख पाया।निस्संदेह, नरेंद्र मोदी के गतिशील और वैश्विक नेतृत्व में भारत की यह ऐतिहासिक उपलब्धि है। अमेरिका की ओर से कहा गया है कि भारत को सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनाने में हरसंभव सहयोग किया जाएगा। मोदी की इस बात को वैश्विक समुदाय ने सराहा कि 21वीं सदी शांति और वैश्विक समुदाय के समग्र विकास का युग है। जिसके लिये पूरी दुनिया को एक परिवार के रूप में एकजुट होना है। हमारी एक बड़ी उपलब्धि यह भी है कि जिस अफ्रीका में चीन, रूस व तुर्की प्रभुत्व जमाने को भारी निवेश कर रहे थे, उसका दिल भारत ने जीत लिया। भारत के प्रयासों से 55 सदस्यों वाला अफ्रीकी संघ जी–20 का सदस्य बना है। इस सफलता का सेहरा भी भारत के माथे बंधेगा। निश्चित रूप से जी–20 जैसे वैश्विक मंच में अफ्रीकी देशों की उपेक्षा नहीं हो सकती। इसके जरिये अफ्रीका में खाद्य सुरक्षा संकट व आर्थिक असमानता के मुद्दों को उठाने का मौका मिलेगा। बहरहाल, जी–20 के दिल्ली शिखर सम्मेलन में 83 बिंदुओं पर सहमति बनना बड़ी उपलब्धि है। खासकर मजबूत, दीर्घकालीन, संतुलित व समावेशी विकास, लैंगिक समानता, दीर्घकालीन भविष्य के लिये हरित विकास समझौता, बहुपक्षवाद को पुनर्जीवित करना, ग्लोबल बायो फ्यूल्स अलायंस की घोषणा तथा चीन के बीआरआई के जवाब में भारत–यूरोप आर्थिक कॉरिडोर स्थापित करने पर सहमति सम्मेलन की बड़ी उपलब्धि है। निस्संदेह, वैश्विक हितों को प्राथमिकता देने से यह कामयाबी मिली है। इसके बावजूद यदि मोदी सरकार इस सफल वैश्विक आयोजन में विपक्ष को सम्मानजनक दर्जा देती तो इससे दुनिया में भारतीय लोकतंत्र का खूबसूरत संदेश जाता। जनतंत्र तभी सार्थक होता है जब सशक्त पक्ष के साथ सशक्त विपक्ष की भी उपस्थिति दर्ज हो।

आकाश ही सीमा

कितना सही! माता–पिता के रूप में हम अपने बच्चों को बचपन से ही कड़ी मेहनत करने, उत्कृष्टता प्राप्त करने का प्रयास करने के लिए प्रेरित करते हैं और फिर वे निश्चित रूप से वहां तक पहुंचते हैं। बेचारे महान इंजीनियर और डॉक्टर बनने के लिए अपनी किशोरावस्था में कड़ी मेहनत करते हैं, संघर्ष करते हैं, कोचिंग सेंटरों की यातनापूर्ण, कठिन मार वाली नमकीन और कांटेदार लहरों के बीच तैरते हैं। वे अपने जीवन के कुछ बहुमूल्य वर्षों के कष्टदायक और अशांत दौरे को पार करने और पार करने की पूरी कोशिश करते हैं, निर्धारित लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से थक जाते हैं। वे याद करते हैं, सीखते हैं, अध्ययन करते हैं और वर्षों तक कोचिंग कारखानों में बंद सेलुलर जेल प्रकार के कक्षों में रहते हैं जो उन्हें असाधारण रूप से महान भविष्य का वादा करते हैं। दिन–रात, वे अपनी किशोरावस्था में दुर्बल अनुभव को सहन करते हैं, जिसके कारण उन्हें आईआईटियन बनने या एनईईटी में शीर्ष रैंक प्राप्त करने के लिए बहुत सारे हार्मोनल मुद्दों, साथियों और परिवार के दबाव का सामना करना पड़ता है – मूल रूप से अपने माता–पिता के सपनों को पूरा करने के लिए। शोधकर्ताओं का कहना है कि इस दर्दनाक पीड़ा का अनुभव करने वाले लाखों छात्रों में से केवल दो से तीन प्रतिशत ही प्रमुख संस्थानों में प्रवेश पाते हैं। बाकी के बारे में क्या? कुछ लोग भाग्यशाली होने पर अपनी नौकरी में सफल हो जाते हैं। कुछ संवेदनशील बच्चे जो अपने माता–पिता या समाज की मांगों को पूरा करने में सक्षम नहीं होते हैं।

आज का राशिफल

मेष :– प्रतिभाओं के बावजूद हीन भाव प्रतिभाओं के लाभ से वंचित होगा। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें। सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। घर में खुशहाली रहेगी।

वृष :– किसी कार्य में सफलता से उत्साह में वृद्धि होगी। भौतिक सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। परिश्रम से आर्थिक लाभ होगा।

मिथुन :– नीरस स्वभाववश रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में असमर्थ होंगे। सब कुछ सामान्य होते हुए भी मन अरुचि का शिकार होगा। समस्याओं के समाधान से उत्साह में वृद्धि होगी।

कर्क :– काफी दिनों से अवरोधित कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने के आसार बनेंगे। काफी दिनों से प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा में प्रयत्न सार्थक होगा।

सिंह :– नयी घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्क रहें।

कन्या :– कर्जदारों से मन परेशान होगा। नये क्षेत्रों में प्रयास से लाभ संभव। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ संभव। नये संबंधों के सहयोग से आर्थिक कठिनाइयां दूर होंगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

तुला :– भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक होगी। अतः व्यावहारिक बने। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन पर प्रभावी होंगी। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न बरतें। कल्पनाओं में न जियें।

वृश्चिक :– किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। सकारात्मक सोच को अपनाते हुए जीवन को सही दिशा की ओर केंद्रित करें। परिजनों के अनुकूल चलने की चेष्ठा करें। आलस्य त्यागें।

धनु :– संवेदनशील शरीर ग्रहों की प्रतिकूलता से बीमार पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव।

मकर :– कुछ व्यासायिक कारणों से घर से दूर रहना पड़ सकता है। परिजनों की सुख–सुविधा के प्रति मन चिंतित होगा। मस्त–मौला मन ब्यर्थ के कायरे में समय जाया कर महत्वपूर्ण कायरे के प्रति लापरवाह होगा।

कुंभ :– अच्छे कायरें से परिजनों के दिल में जगह बनायें। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। महत्वपूर्ण कायरें में लापरवाही न करें। जीवनसाथी के स्वास्य के प्रति सचेत रहें।

मीन :– थोड़ा संयमी व धैर्यवान बने। भाग्य से प्राप्त अच्छी–बुरी सभी स्थिति में समझौतावादी बनें। कुछ नई व्यस्तताएं सामने आएंगी। महत्वपूर्ण दायित्वों की पूर्ति हेतु प्रयत्न तीव्र होगा।

जी–20 में कही बातें देश में तो लागू हों

जी–20 के बहुत ही भव्य दो दिवसीय सम्मेलन का रविवार को समापन हुआ जिसके दौरान अनेक अच्छी–अच्छी बातें कही गयीं। श्वसुध ैव कुटुम्बकम्श से लेकर महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने, जलवायु परिवर्तन सम्बन्धी चिंताओं से लेकर ग्लोबल साऊथ पर काम करने के निश्चयों के साथ भागीदार हुए देशों के राष्ट्राध यक्ष लौट तो गये हैं परन्तु कुछ सवाल भी लेकर गये हैं। इनमें सम्भवतः सबसे प्रमुख यही होगा कि विश्व का नेतृत्व करने का आकांक्षी भारत क्या इन अच्छी–अच्छी बातों का स्वयं अपने देश में अमल कर रहा है। बेशक, सारे मुद्दों का संबंध देश की आंतरिक नीति व प्रणाली से नहीं है लेकिन एक अच्छे समाज के जो अनिवार्य गुण हैं क्या उन्हें पाने का प्रयास यह महादेश कर रहा है? दिल पर हाथ रखकर अगर जवाब टटोला जाये तो शायद वहां बहुत बड़ा ना ही मिलेगा। खासकर, भारत को कई तरीकों से और अनेक अवसरों पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा श्लोकतंत्र की जननीश कहा जाना कितना विश्वसनीय रह गया है, यह भी इस मौके पर देखा जाना चाहिये। वसुधैव कुटुम्बकम पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का काफी जोर रहता है पर उसका अमलीकरण पहले देश के भीतर तो हो। भारतीय जनता पार्टी के शासन काल में जहां एक ओर वर्णवाद बढ़ा है वहीं साम्प्रदायिकता में भी बेतहाशा इजाफा हुआ है। अगड़े–पिछड़ों का झगड़ा जो मोदी राज में देखा गया है वह कम से

कम आजाद भारत में तो कभी भी नहीं देखा गया था। बेशक, भारतीय समाज में वर्ण व्यवस्था के कारण बड़ा विभाजन पहले से है जहां कथित ऊंची–निचली जातियों के बीच टकराव होते रहे हैं लेकिन सरकारों ने कभी उसे बढ़ावा नहीं दिया व उन्हें खत्म करती आई हैं। विश्व देख रहा है कि भारत की सरकार में सत्तारुढ़ पार्टी इन्हें बढ़ावा देती है तथा संरक्षित भी करती है। जो संकीर्णता इस दौरान भारत देख रहा है वह अभूतपूर्व है। दुनिया का ऐसे भारत से परिचय नहीं था। बहुत शोर–शराबा किये बगैर भारत की इसलिये वैश्विक स्वीकार्यता थी क्योंकि उसका केन्द्रीय भाव मानवीय संवेदना थी। मौजूदा भारत संकीर्ण, है क्रूर भी– ऐसा समाज जो बहुत थोड़े से लोगों का है। सदियों से रहते आये अल्पसंख्यक, जिन्होंने एक दूजे का सुख–दुख में साथ निभाया, स्वतंत्रता की लड़ाई मिलकर लड़ी, आजादी पाने की प्रक्रिया से उपजे दर्द को एक सा झेला और संघर्ष करते हुए जो हासिल किया उसका वितरण बगैर भेदभाव के आपस में किया। अचानक एक वर्ग बाहरी हो गया जिन्हें यहां से चले जाना चाहिये। वे पिछले 9 वर्षों से देश की तमाम समस्याओं के मूल कारण बने हुए हैं और आये दिन उनसे देशभक्ति के प्रमाणपत्र मांगे जाते हैं। कष्टों में पड़ी मानवीयता को बरसों से सहानुभूति और सहायता देने वाला भारत केवल मोदी एवं उनकी पार्टी के वोटरों का होकर रह गया है। अपने भीतर के समाज को ही उदार न बना सकने वाला देश आखिर सारी दुनिया को कैसे अपने आगोश में ले सकता है? भारत में बढ़ती जातीयता व धार्मिक विद्वेष की हकीकत दुनिया को ज्ञात हो चुकी है। मणिपुर, नूंह, जयपुर–मुंबई एक्सप्रेस में हुए खूंरेज हादसे तो हाल के हैं, पिछला लगभग एक दशक भारत की ऐसी कई कहानियों का काल रहा है जो दुनिया भर में गई हैं। हास्यास्पद यह है कि इस मौके पर लिखे अपने लेख में वसुध ैव कुटुम्बकम की बात करने वाले प्रधानमंत्री अपने मंत्रियों को सनातनी वाला मुद्दा गरमाये रखने की अपील करते हैं। पिछले कुछ समय से देश को श्मदर ऑफ डेमोक्रेसीश साबित करने पर आमादा पीएम शायद इस बात को नहीं जानते कि दुनिया का सबसे बड़े बड़ा लोकतंत्र धीरे–धीरे दम तोड़ रहा है। समतामूलक एवं न्यायपूर्ण समाज क्षरित हो गया है। बन्धुत्व और धर्मनिरपेक्षता लापता हो गई है। आर्थिक, सामाजिक तथा राजनैतिक तीनों ही स्तरों पर गैर बराबरी चरम पर हैय और इसके लिये जिम्मेदार सरकार ही है। इसके पीछे वह विचारधारा है जो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा प्रवर्तित एवं संपोषित है। सुनियोजित तरीके से अमीरी–गरीबी की खाई को बढ़ाया गया है। समाज बदहाल है और विभाजित भी। राजनैतिक वर्चस्व के लिये वे सारे हथकण्डे अपनाये जाते हैं जो वास्तविक मायनों में जनतंत्र में भरोसा रखने वाली कोई सरकार नहीं अपना सकती। अगर इन उदात्त बातों को देश में क्रियान्वित करने की कोशिशें मोदी सरकार नहीं करती तो यही माना जायेगा कि जनता के टैक्स के पैसों से आयोजित इस विलासितापूर्ण आयोजन का मकसद केवल सियासी है। जिस वसुधैव कुटुम्बकम् के सिद्धांत का बारंबार उल्लेख होता आया है, यदि उसके अमल की अपने देश में ही मंशा नहीं है तो यही माना जायेगा कि यह बेहद खर्चीली कवायद सिर्फ इसलिये की गई है कि इससे ब्रांड मोदी को और दमकाया जाये ताकि उसका उपयोग केन्द्र सरकार की आगामी चुनावों में कर सके। ऐसा नहीं कि भारत में पहले कोई बड़ा अंतरराष्ट्रीय आयोजन न हुआ हो। इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री रहने के दौरान हुए गुट निरपेक्ष देशों के सम्मेलन में भारत का कूटनयिक दबदबा बुलंदियों पर था।

आपस में टकराते दो देश भी उसके एक जैसे कायल थे। अपनी आंतरिक कमजोरियों के बावजूद भारत की ताकत अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बड़े रूप में पहचानी जाती थी। मौजूदा वैदेशिक नीति केवल बड़े देशों से हथियारों व कबाड़ बनती टेक्नालॉजी की खरीदी, मेहमानों को झप्पी से गले लगना, उन्हें सोने–चांदी के बर्तनों में खाना खिलाने तक रह गई है।

भारत की बातों को दुनिया नतमस्तक होकर सुने, इसके लिये जरूरी है कि वह बड़े देशों का पिछलग्गू न बने। इन महाशक्तियों के समकक्ष उसे बैठना है तो वह गुट निरपेक्ष आंदोलन को फिर से खड़ा करे। पहले अपने नागरिकों को सशक्त बनाये। गोदी मीडिया की अतिरंजित हेडलाइनों और चकाचौंध आयोजन को ही सफलता का पैमाना मानना शायद खुद को कमजोर करना है।

आरक्षण के पक्षघर भागवत

आदित्य नारायण

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख श्री मोहन भागवत ने आरक्षण का समर्थन करते हुए स्पष्ट करने का प्रयास किया है कि उनका संगठन समाज के दलित व पिछड़े समाज के लोगों के लिए किये वैधानिक प्रावधान को जारी रखने की वकालत इस वजह से कर रहा है कि पिछले दो हजार वर्षों के दौरान हिन्दू समाज के कथित सवर्ण अथवा ऊंची जातियों के लोगों द्वारा दलितों पर किये गये अत्याचारों को उचित नहीं मानता है और पश्चाताप करके ऊंच–नीच को समाप्त करना चाहता है। हालांकि 2015 में श्री भागवत ने यह कहा था कि आरक्षण नीति की समीक्षा होनी चाहिए। संघ के ही सरकार्यवाह रहे श्री भैया जी जोशी ने काफी पहले यह भी कहा था कि आरक्षण तब तक जारी रहना चाहिए जब तक कि इसे पाने वाले समाज स्वयं ही यह न कह दें कि अब उन्हें आरक्षण की जरूरत नहीं है। श्री भागवत के अनुसार आरक्षण का सम्बन्ध सामाजिक व आर्थिक बराबरी के अलावा सम्मान से भी जुड़ा हुआ है। जाहिर है कि जहां गैर बराबरी होगी वहां निचले पायदान पर खड़े समाज का अपमान तो होगा ही। इसके बावजूद संघ पर यह आरोप लगता रहा है कि वह मूल रूप से जातिगत आरक्षण के विरुद्ध है। श्री भागवत ने प्रत्यक्ष रूप से इस बयान में यह भी स्वीकार कर लिया है कि हिन्दू समाज में जातिगत भेदभाव है और गरीबी का रिश्ता जातियों से जुड़ा हुआ है। वस्तुतः भारत की हकीकत भी यही है। एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि श्री भागवत का बयान दक्षिण भारत से वहां के राजनीतिज्ञों द्वारा सनातन धर्म के बारे में की गई तल्ख टिप्पणियों के बाद आया है। इससे सिद्ध होता है कि संघ प्रमुख सकल हिन्दू समाज की एकता के लिए भी आरक्षण को निर्विवाद बना देना चाहते हैं। मगर यह बयान पूर्णतः राजनैतिक है जिससे इसकी प्रतिध्वनियां भी राजनैतिक समाज से ही सुनाई पड़ेंगी। क्योंकि जनसंघ के जमाने से ही भाजपा आर्थिक आधार पर आरक्षण की पैरोकार रही है। अब यह काम भी पूरा हो चुका है क्योंकि मोदी सरकार ने कथित सवर्ण जातियों के गरीब लोगों को भी 10 प्रतिशत आरक्षण दे दिया है। एक मायने में देखा जाये तो हिन्दू समाज में अब आरक्षण से कोई वंचित ही नहीं रहा है। मगर असली सवाल तो सरकारी नौकरियों का है? सार्वजनिक कम्पनियों और वित्तीय संस्थाओं का जिस तरह निजीकरण पिछले 30 वर्षों में हुआ है वह थमने का नाम ही नहीं ले रहा है साथ ही सरकारी दफ्तरों से लेकर निजी संस्थानों तक में जिस प्रकार ठेके पर कर्मचारी रखने की प्रथा मजबूत होती जा रही है उसने सर्वाधिक कुप्रभाव आरक्षण के दायरे मे आने वाली जातियों के लोगों पर ही डाला है और उनकी आर्थिक सुरक्षा को छीन लिया है। यह बहुत गंभीर प्रश्न है जो सीधे भारत में सामान्य व्यक्ति की जर्जर होती आर्थिक क्षमता से बंधा है। यह सच है कि संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव रामजी अम्बेडकर केवल हिन्दू समाज की कथित दलित जातियों व आदिवासियों के लिए ही आरक्षण की व्यवस्था प्रारम्भिक तौर केवल दस वर्ष के लिए ही करके गये थे और आगे के लिए फैसला सामाजिक परिस्थियों पर छोड़ कर गये थे परन्तु हम देख रहे हैं कि आज भी न केवल भारत में बल्कि विदेशों में जहां–जहां भारतीय जाकर बस रहे हैं उन तक में जातिगत विद्वेष के आधार पर निचली समझी जाने वाली जातियों के लोगों के साथ भारत से ही वहां बसे लोग भेदभाव करते हैं जबकि दलित जाति के जो लोग विदेशों में बसे हैं वे भी उनके समान ही शिक्षित और आर्थिक क्षमता के लोग हैं। अतः जातिगत भेदभाव हमारे खून में ही घुल सा गया है क्योंकि विदेशों में तो भेदभाव भारत से गये लोग ही करते हैं। इसका सबसे ज्वलन्त उदाहरण अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में जाति आध ाार पर भेदभाव के खिलाफ बनाया गया कानून है। इससे यह भी सिद्ध होता है कि आधुनिक अमेरिकी व यूरोपीय समाज में रहने के बावजूद भारतीयों की मानसिकता में बदलाव नहीं आता है और वे अपने ही बीच के लोगों में से उनकी जाति ढूंढने लगते हैं। भारत में तो जातियों की जड़ें इतनी गहरी हैं कि लोग अपना मजहब तक बदलने के बावजूद अपनी जाति नहीं छोड़ते हैं। भारत और पाकिस्तान में राजपूत, जाट, गुर्जर, खत्री व पंडित तक मुसलमान नागरिक मिल जायेंगे। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में तो त्यागी तक मुसलमान होते हैं। राजस्थान में चौहान मुसलमान खूब मिलते हैं। मुस्लिम समाज में भी दलित जातियां मिल जायेंगी, जिनमं खटीक, सक्के, अंसार जुलाहे, नाई, दर्जी आदि हैं। इन्हें ही पसमान्दा मुसलमान कहा जाता है जो अपने 'अशराफ' कहे जाने वाले समाज के लोगों की चाकरी करते मिलेंगे। हालांकि अब इसमें थोड़ा परिवर्तन भी आया है। मुस्लिम समाज के शिक्षा जगत के कुलगुरु समझे जाने वाले सर सैयद अहमद खां तो इन्ही पसमान्दा मुसलमानों की आध ाुनिक पढ़ाई–लिखाई के सख्त खिलाफ थे। वह अपने ही पसमान्दा मुस्लिम समाज के किसी व्यक्ति को कलैक्टर या पुलिस कप्तान अथवा दारोगा तक देखने के विरुद्ध थे । अतः जातियों के आधार पर न केवल हिन्दू समाज बल्कि मुस्लिम समाज भी अभिशप्त है। इसी वजह से ब्रिटेन के प्रधानमन्त्री चर्चिल ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अमेरिका द्वारा जापान पर परमाणु बम फैंके जाने पर कहा था कि हम तो अमेरिकियों को बहुत अक्लमन्द समझते थे मगर उन्होंने तो जापान को नष्ट करने के लिए परमाणु बम ही गिरा डाला। यदि वह बुद्धिमान होते भारत से कुछ ऊंची जाति (ब्राह्मण समाज सहित) के लोगों को जापान में बसा देते। कुछ सालों बाद जापान स्वयं ही नष्ट हो जाता। अतः संघ प्रमुख ने वास्तविकता को परख कर ही अपना बयान दिया है।

जी–20: भारत से यूरोप तक

जी–20 देशों की मेजबानी करके भारत का सम्मान निश्चित रूप से बढ़ा है क्योंकि इस संगठन की अध यक्षता में इसके सदस्य देशों ने कई ऐसे फैसले किये हैं जिनका असर दुनिया के गरीब व विकासशील देशों पर सकारात्मक रूप से पड़ेगा। अब नई दिल्ली में चले सम्मेलन में अफ्रीकी देशों के संघ "अफ्रीकी यूनियन" के भी सदस्य बन जाने के बाद इसका प्रभाव बहुत व्यापक हो जायेगा क्योंकि यूनियन में कुल 55 देश हैं। जी–20 देशों में दुनिया के पांच परमाणु शक्ति से लैस देश, जिन्हें पी–5 भी कहा जाता है, शामिल हैं। ये देश हैं चीन, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस और अमेरिका। ये सभी देश राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य भी हैं। इसके साथ ही दुनिया के सर्वाधिक विकसित सात राष्ट्र (जी–7) भी इसमें शामिल हैं। ये देश हैं अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, इटली जर्मनी, कनाडा और जापान। अतः इसी से स्पष्ट हो जाना चाहिए कि जी–20 संगठन पूरी दुनिया के आर्थिक विकास के लिए कितना महत्वपूर्ण है। नई दिल्ली में हुए सम्मेलन में हालांकि चीन व रूस के राष्ट्राध्यक्षों ने भाग नहीं लिया और अपने दूसरे प्रतिनिधि भेजे। इसका सीधा सम्बन्ध ा वर्तमान की अन्तर्राष्ट्रीय राजनैतिक परिस्थियों से जाकर जुड़ता है क्योंकि रूस अपने पड़ोस के मुल्क यूक्रेन के साथ युद्ध में उलझा हुआ है और चीन उसकी मदद कर रहा है जबकि जी–7 के देशों में से तीन अमेरिका, फ्रांस व ब्रिटेन यूक्रेन के साथ हैं और दो रूस व चीन एक साथ खड़े नजर आ रहे हैं। इसे लेकर यह भी नतीजा निकाला जा सकता है कि आज की दुनिया दो गुटों में विभिन्न

देश यूक्रेन की सहायता कर रहे हैं। इससे युद्ध के और खिंचने की संभावनाएं अभी भी बनी हुई हैं। इस युद्ध को चलते हुए साल भर से ऊपर का समय हो गया है मगर अभी तक दोनों के बीच बातचीत से समस्या का हल निकालने की सूरत नहीं बनी है। यदि हम वैज्ञानिक दृष्टि से विश्लेषण करें तो ऐसे निष्कर्ष पर पहुंचेंगे कि रूस–यूक्रेन युद्ध ने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर गरीब व विकाशील देशों को कुप्रभावित किया है। दुनिया के पांच परमाणु सम्पन्न साझा हिस्सेदारी के मंचों के बावजूद बंटी हुई है। इसमें भारत पूर्णतः तटस्थ बने रह कर अपने राष्ट्रीय हितों को साधता लगता है। हाल ही में इस मुद्दे पर भारत के पूर्व प्रधानमन्त्री डा. मनमोहन सिंह ने भी केन्द्र सरकार के रुख की प्रशंसा की है और उनसे पहले कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने भी अपनी अमेरिकी यात्रा के दौरान केन्द्रीय सरकार के रुख का समर्थन किया था। अतः प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी की रूस नीति पर भारत के किसी भी राजनैतिक दल को ऐतराज नहीं है। श्री मोदी यह कह चुके हैं कि रूस–यूक्रेन के बीच युद्ध रुकना चाहिए और वार्ता द्वारा समाधान ढूंढा जाना चाहिए क्योंकि आज का दौर सामरिक युद्धों का दौर नहीं है बल्कि 'शान्ति–समझौतों' का दौर है। जी–20 सम्मेलन के साझा घोषणापत्र में श्री मोदी के इसी रुख का समर्थन किया गया है क्योंकि साझा वक्तव्य या घोषणा में रूस का नाम लिये बगैर कहा गया है कि किसी भी देश को दूसरे देश के खिलाफ युद्धास्त्रों का प्रयोग करने से बचना चाहिए। राष्ट्रसंघ के नियमों में भी यही कहा गया है। इसका समर्थन उन जी–7 देशों ने किया जो रूस के खिलाफ यूक्रेन की सब तरह से मदद कर रहे हैं। निश्चित रूप से श्री मोदी की सदारत में जी–20 सम्मेलन की यह उपलब्धि मानी जायेगी क्योंकि वह रूस के साथ अपने मधुर सम्बन्धों को जीवन्त रखने में कामयाब हो गये हैं। भारत का बच्चा–बच्चा जानता है कि रूस के साथ हमारे रिश्ते बहुत मधुर रहे हैं और रूस ने हर आड़े वक्त में भारत का आंखें मीच कर समर्थन किया है। अमेरिका के साथ हमारे सम्बन्धों में तभी खुशनुमा माहौल देखने को मिला जब 2008 में भारत का अमेरिका से परमाणु करार हो गया था। इसके बाद ही भारत के अमेरिका से सम्बन्धों में 'ताजगी और तरावट' आयी और अमेरिकी टैक्नोलॉजी के आयात करने के रास्ते खुले। जी–20 के दिल्ली घोषणापत्र में कहा गया है कि भारत से यूरोप को सीधे जोड़ने के लिए एक भू–जल सम्पर्क परियोजना बनाई जायेगी। यह ट्रेन एवं जल मार्ग का उपयोग करते हुए बनेगी। भारत–यूरोप को बरास्ता पश्चिम एशियाई देशों के जोड़ा जायेगा। खाड़ी के देश भी इसके मार्ग में आयेंगे परन्तु पाकिस्तान ऐसा 'कमजर्फ' मुल्क है कि उसने इस परियोजना के लिए अपनी भूमि का इस्तेमाल करने की इजाजत ही नहीं दी है। अतः भारत से यूरोप परियोजना को ईरान से होकर तैयार किया जायेगा। कूटनीति में यह 'प्याज खिला कर मिर्चे दिखाने' की नीति है। पाकिस्तान को भारत का यह 'तोहफा' इस तरह का है कि भारत से जब यूरोप ट्रेन मार्ग से जुड़ेगा तो यह चीन द्वारा चलाई जा रही 'वन बेल्ट वन रोड '(एक क्षेत्र एक सड़क) परियोजना का माकूल जवाब होगा।

अफ्रीकी देशों के समूह को जी–20 देशों का सदस्य बना कर भारत ने साफ कर दिया है कि विश्व के आर्थिक स्रोतों पर उनकी भी बराबर की हिस्सेदारी है। हालांकि भारत शुरू से ही अफ्रीकी देशों को दुनियाभर में चमकाने का समर्थक रहा है। भारत ने 2008 तक ही 'पैननेट अफ्रीका' स्कीम को लागू कर दिया था और पूरे अफ्रीका में नेट को सुलभ करा डाला था। शिक्षा से लेकर प्रशासन जैसी विध ाा में भारत इन अफ्रीकी देशों की हर क्षेत्र में तरक्की के लिए अपनी दक्षता देता रहा है। अतः भारत से यूरोप तक जिस रेलमार्ग द्वारा रेलगाड़ियां चलेंगी उनके साथ बिजली का केबल (तार) भी बिछाया जायेगा और साथ ही हाइड्रोजन गैस की पाइपलाइन भी डाली जायेगी जो मार्ग में पड़ने वाले देशों को ऊर्जा या स्वच्छ ईंधन की जरूरत भी पूरी करेगी और यूरोपीय देशों की ऊर्जा समस्या भी आसान बनेगी। इस परियोजना के लिए सऊदी अरब के महाराज कुमार 'मोहम्मद–बिन सलमान' ने 20 अरब डालर की धनराशि मंजूर भी कर दी है। इन देशों तक बिछने वाले वाणिज्यिक मार्ग के लिए 20 अरब डालर की प्रारम्भिक धनराशि देने को मंजूरी भी दे दी है। जी–20 सम्मेलन को हम सफल कहेंगे और विकासशील देशों के कल्याण के लिए कार्यरत संगठन मानेंगे।

लायंस क्लब रॉयल ने आयोजित किया भव्य तीज महोत्सव कार्यक्रम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। लायंस क्लब इंटरनेशनल की जौनपुर शाखा लायंस क्लब जौनपुर रॉयल की महिला सदस्यों द्वारा हरतालिका तीज के पर्व के उपलक्ष्य में तीजोत्सवध का कार्यक्रम नगर के एक होटल में आयोजित किया गया।

जिसका थीम रॉयल लुक राजपूताना अंदाज रहा। प्रतियोगिता की जज के रूप में डॉक्टर अंजना सिंह एवं डॉक्टर जान्हवी श्रीवास्तव रही।इस अवसर पर संस्था की फर्स्ट लेडी लायन प्रीति गुप्ता ने कहा हरतालिका तीज का निराजल व्रत भगवान शंकर व माता पार्वती के पुनर्मिलन के उपलक्ष में मनाया जाता है इस व्रत को रखने से अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है। कार्यक्रम की संयोजक प्रगति कशौधन व निहारिका बरनवाल ने कहा यह पर्व महिलाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है सुहागिन महिलाएं अखंड सौभाग्य के लिए व कुंवारी लड़कियां इच्छित वर की प्राप्ति के लिए इस व्रत को रखती हैं! कार्यक्रम की शुरुआत भगवान गणेश भगवान शंकर व माता पार्वती जी की ढोल मजीरे के साथ भजन कीर्तन के मंगलगान से हुआ। इस अवसर पर हुई अनेक प्रतियोगिता में सबसे आकर्षक राजपूताना अन्दाज की कई राउंड की कड़ी प्रतियोगिता में दीपशिखा चौरसिया प्रथम विभा गुप्ता द्वितीय और श्रद्धा जायसवाल तृतीय स्थान पर विजेता चुनी गई साथ ही सांत्वना पुरस्कार प्रियंका गुप्ता एवं अस्मिता गुप्ता को संयुक्त रूप से दिया गया। अन्य प्रतियोगिताओं एवं गेम्स में शिल्पी साहू, प्रियंका जायसवाल,गुंजन गुप्ता,मीनाक्षी प्रधान, रीता कश्यप,पूजा सोनकर ने भी अपनी प्रतिभा दिखाते हुए प्रथम द्वितीय स्थान प्राप्त किया!सभी विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार संस्था अध्यक्ष अजय गुप्ता व प्रीति गुप्ता ने निर्णायक मंडल के रूप में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराने वाली डाक्टर अंजना सिंह व डॉक्टर जान्हवी श्रीवास्तव के हाथों प्रदान कराया। इस अवसर पर रॉयल राजपूताना लुक में मांडवी केसरी, ज्योति श्रीवास्तव,अंशु श्रीवास्तव, अनीता गौड़, श्वेता साहू ममता साहू, बबली चौरसिया इत्यादि ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम में चार चांद लगाया।

समाज के कल्याण के लिए हमेशा तत्पर रहें और एकता अखण्डता का परचम लहराते रहें त्रिवेदी विश्वकर्मा

क्राइम रिपोर्टर धनंजय विश्वकर्मा

जौनपुर। श्री विश्वकर्मा मन्दिर आदमपुर निकट भण्डारी रेलवे स्टेशन जौनपुर स्थित, श्री विश्वकर्मा पूजा महासमिति जौनपुर द्वारा पुरस्कार वितरण एवम सम्मान समारोह में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी उत्तम कार्य करने वाले सूपुत्रो को सम्मानित किया गया। जिसमें प्रथम पुरस्कार विश्वकर्मा समिति डढ़ियाने टोला, द्वीतीय पुरस्कार कार्तिक ज्वेलर हनुमान घाट, तृतीय पुरस्कार निमई चन्द समतल ताड़तल्ला को सम्मानित किया गया।

जाने समाज के प्रति कौन क्या कहा.....?

अजय विश्वकर्मा। आज के दौर में समाज में छोटी–छोटी बातो को लेकर आपसी रंजिश बढ़ती हुई जा रही है, जिसको कुछ अन्य लोग आपस में लड़ाने का कार्य करके अपना लाभ उठाते हैं। जिससे आपसी भाई–चारा समाप्त हो रहा है। इस बढ़ते हुए समस्या से बचने के लिए अजय विश्वकर्मा युवा सपा नेता ने कहा कि इससे बचने का कार्य करें जिससे विश्वकर्मा समाज का आर्थिक और मानसिक विकाश हो और सभी सुखी रहें।

पूनम मौर्या। भवन बने या ना बने लेकिन बच्चो का भवन बनाना चाहिए, शिक्षा पर विशेष बल दिया जाय। पूरे विश्व के लोग भारत में शिक्षा लेने के लिए आते रहें हैं और भारत विश्व गुरु कहलाया गया। जहां तक संभव हो सके तो विद्यार्थियों का मदद करें। शिक्षित व्यक्ति से समाज का विकास होता है।

कुलदीप कुमार (एसपी सिटी)। श्री विश्वकर्मा जी सबके देवता हैं।विश्वकर्मा समाज नव निर्माण कार्य में अग्रिम रहा है। अपने समाज की अस्तित्व और प्रतीत को पहचानें, गुज़ावक्ता और अतीत का साक्षी मानकर अच्छे ढंग से निर्वहन करें और अपने उत्तर दायित्व को समझें। जितने भी नवनिर्मित कार्य हुआ है और उसका मूर्त रूप इस समाज ने दिया है वह सार्थक है।

रमाशंकर विश्वकर्मा। शिक्षक रमाशंकर जी ने कहा कि जब हमे 1980में पहली बार भाषण देने के लिए अचानक से मंच पर बुलाया गया तब मैं अतिथि महोदय से प्रश्न किया कि क्या आप मुझे पहचानते हैं। यह बात सुनते ही अथिति महोदय कहा कि सज्जन आप कौन हैं? रविशंकर ने जवाब देते हुए कहा कि मैं आपका वंशज हूं। यह सुनकर अतिथि ने मंच से कहा कि सर्व प्रथम लोग अपने समाज को पहचानें। जिससे उनका कल्याण हो सकें।

मनोरमा मौर्या (नगर पालिका चेयरमैन)। विश्वकर्मा मंदिर परिसर के बगल तीन शौचालय, स्नान गृह, मन्दिर निर्माण कार्य में सहयोग और साफ सफाई व्यवस्था सम्बन्धित कार्य करूंगी। जिससे मन्दिर निर्माण और समाज का विकास संभव हो सके।

राधेश्याम विश्वकर्मा (भाजपा मण्डल अध्यक्ष)। समाज के लोग शिक्षित हों, मौका पड़ने पर एकत्रित रहें और मजबूत रहे। अगर हम विश्वकर्मा भगवान के वंशज अर्थात पांचों पुत्र–मनु, मय, त्वष्टा, शिल्पी,और दैवयज्ञ, एक हो जाए तो उस दीन से विश्व में अपनी अलग पहचान बन जायेगा। समाज में ग्रामीण स्तर पर व्यवसायिक शिक्षा का आभाव है जिसे सरकार द्वारा पूरा करने का कार्य किया है। पीएम विश्वकर्मा योजना के अन्तर्गत इक्षुक व्यक्ति इसका लाभ उठाएं। और स्वावलम्बी बने।

सोचनराम विश्वकर्मा (सपा मल्हनी विधानसभा अध्यक्ष)। आज के दौर में समाज के लोगों में आपसी भाई–चारा की कमी पाई जा रही है। जब अपनी पीढ़ी के बच्चों को समाज के लोगों से पहचान नहीं करा सकतें तो कैसे आने वाला पीढ़ी, अपने लोगों को पहचानेंगा। इसमें आज की पीढ़ी के लोगों जिम्मेदार होगें। दूसरी तरफ जहां अन्य समाज के लोग इससे विपरीत है।वह अपनो के साथ कन्धा से कन्धा मिलाकर चलते हैं। उन्हें देखकर हमें कुछ सीखना चाहिए। फिलहाल विश्वकर्मा समाज का पहले से अब तक कुछ परिवर्तन हुआ है। अब अपने स्तर पर अपने क्षेत्र में दावेदारी कर रहे हैं। यह देखकर समाज के लोगों का मनोबल बढ़ रहा है।

कार्यक्रम का संचालन श्री विश्वकर्मा मन्दिर में दीप प्रज्ज्वलित करके शुभारम्भ हुआ कार्यक्रम के मुख्यातिथि कुलदीप कुमार (एसपी सिटी जौनपुर), प्रमुख विशिष्ट अतिथि मा.मनोरमा मौर्या (नगर पालिका चेयरमैन जौनपुर), विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर डा विक्रम देव आचार्य (पुर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर), मा. डा. रामश्रृंगार विश्वकर्मा (ठवै मुम्बई) कार्यक्रम अध्यक्ष डा. राम आसरे वर्मा, अध्यक्ष– उमाकान्त विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष– कन्हैया लाल विश्वकर्मा, संजय सेठ जेब्रा संस्था अध्यक्ष, अजय विश्वकर्मा (सपा युवा नेता), दीपक आर विश्वकर्मा (युवा नेता), राधेश्याम विश्वकर्मा (भाजपा मण्डल अध्यक्ष), कर्मराज शर्मा (कवि),सोचनराम विश्वकर्मा (सपा,मल्हनी विधानसभा अध्यक्ष), हीरालाल विश्वकर्मा (पेशकार), अमरेन्द्र, कन्हैयालाल, कृष्ण कुमार, इंद्रजीत, बच्चूलाल, बकेलाल,श्रवण जयसवाल,शैलेश विश्वकर्मा, शनि यादव, दिलीप विश्वकर्मा,संतोष विश्वकर्मा दीवानी अधिवक्ता,रमाशंकर विश्वकर्मा प्रबंधक, आदि लोग उपस्थित रहें।

आयुष्मान भव कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय स्तर पर 13 सितंबर से

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। 12 सितंबर जिलाधिकारी अनुज कुमार झा की अध्यक्षता में आयुष्मान भव अभियान के सफल क्रियान्वयन को लेकर बैठक सोमवार देर सायं कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि भारत सरकार द्वारा निर्धारित यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयुष्मान भव कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय स्तर पर 13सितंबर से किया जाना है। अभियान 05 चरणों में आयोजित होगा। जिसमे सेवा पखवारा, आयुष्मान आपके द्वार 3.0, आयुष्मान मेला, आयुष्मान सभा तथा आयुष्मान ग्राम पंचायतध्आयुष्मान नगरीय वार्ड शामिल है। इसके अंतर्गत हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर प्रत्येक शनिवार को स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया जाएगा। विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं व योजनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए आयुष्मान सभा का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी , अन्य चिकित्सकगण एवं प्रतिनिधि सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने NAT-1 परीक्षा की तैयारी का लिया गया जायजा, संबंधित अधिकारियों को दिए दिशा निर्देश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। 12 सितम्बर, कार्यालय महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक के पत्र द्वारा निपुण भारत मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु कक्षा 1 से 8 तक के परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत सभी बच्चों का सरल ऐप के माध्यम से लर्निंग आउटकम पर आधारित त्रैमासिक आकलन 13 सितंबर, 2023 व 14 सितंबर, 2023 को किया जाना है। जिलाधिकारी द्वारा NAT-1 परीक्षा के सकुशल व सफल संचालन हेतु जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी जौनपुर, जिला समन्वयक, एस0आर0जी, ए0आर0पी0 एवं परीक्षा सकुशल संचालन हेतु लगे अन्य अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि समस्त अधिकारी अपने अपने सेक्टर में जाकर अनिवार्य रूप से निरीक्षण करेंगे। जिलाधिकारी द्वारा शिक्षा विभाग से संबंधित अधिकारियों को छात्र नामांकन के सापेक्ष शत–प्रतिशत छात्रों के आकलन हेतु दिशा निर्देश निर्गत किए गये। निर्देश के क्रम में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी जौनपुर द्वारा समस्त जिला समन्वयक, एस0आर0जी, ए0आर0पी0 को परिषदीय विद्यालयों में अध्यनरत शत–प्रतिशत छात्रों का त्रैमासिक आकलन किए जाने हेतु समस्त अध्यापकों का पूर्व ट्रायल सरल ऐप पर अनिवार्य रूप से परीक्षा तिथि के पूर्व कराए जाने हेतु निर्देशित किया गया। जिससे परीक्षा तिथि के दिन किसी प्रकार की प्रतिकूल स्थिति उत्पन्न न हो सके एवं परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत समस्त छात्रों का त्रैमासिक आकलन किया जा सके।

स्वच्छता पखवाड़े की विभिन्न गतिविधियों का एसकेडी एकेडमी की सभी शाखाओं में 1 सितम्बर से 15 सितम्बर तक निरंतर आयोजन किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उ0प्र0 शिक्षा विभाग द्वारा निर्देशित स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन 1 सितम्बर से 15 सितम्बर के दौरान एसकेडी एकेडमी की सभी शाखाओं में निरंतर किया जा रहा है। जिसके अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ जिसमें विद्यार्थियों को घर, शिक्षण संस्थाओं व आसपास सभी स्थानों पर कैसे सफाई रखनी है एवं स्वच्छता के प्रति जनसाधारण को जागरूक करना है इससे सम्बन्धित शिक्षा दी गई।

सर्वप्रथम स्वच्छता की शपथ दिवस का आयोजन हुआ, विद्यार्थियों ने अपने आसपास का वातावरण स्वच्छ रखने की शपथ ली। तत्पश्चात् विद्यालय के निकटतम् क्षेत्रों में जनसाधारण को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली गई जिसमें बच्चों ने प्लेकार्ड पर विभिन्न स्लोगन लिखकर स्वच्छ रहने के संदेश दिये। इसी क्रम में सामुदायिक आउटरीच दिवस, ग्रीन स्कूल ड्राइव, स्वच्छता सहभागिता दिवस, हैण्डवाश दिवस, हाइजीन दिवस आदि से सम्बन्धित कार्यक्रम आयोजित किये गये। इन कार्यक्रमों में सभी शाखाओं के विद्यार्थियों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया व स्वच्छता का बहुत अच्छे से सबक लिया।

इस अवसर पर संस्था के निदेशक श्री मनीष सिंह जी ने संम्बोधित करते हुये कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों के आयोजन से बच्चों को प्रशिक्षित करके न केवल सैद्धांतिक ज्ञान होता है बल्कि व्यवहारिक ज्ञान भी प्राप्त होता है। स्वच्छता पखवाड़ा जैसे अनेक कार्यक्रमों के आयोजन से बच्चों को छोटी बड़ी कई जानकारियां होती है जो उनके बेहतर भविष्य में सहयोग प्रदान करती हैं।

समाजवादी प्राथमिक शिक्षक सभा का प्रदेश अध्यक्ष बने विनय कुमार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी शिक्षक सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो०बी०पाडेय ने जौनपुर के धर्मापुर ब्लॉक के पौना गांव सभा के निवासी विनय कुमार यादव को समाजवादी प्राथमिक शिक्षक सभा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया । यह खबर जैसे ही जनपद वासियों को लगीं लोगों मे खुसी की लहर दौड़ गई एक दूसरों को मिठाई खिलाकर खुसी का इजहार किया वही निवर्तमान जिलाअध्यक्ष डां अवधनाथ पाल ने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का बहुत धन्यवाद करता हूँ कि उन्होंने विनय यादव को समाजवादी प्राथमिक शिक्षक सभा का प्रदेश अध्यक्ष बनाकर जो जौनपुर का संम्मान बढ़ाने का काम किया इसके लिए जौनपुर के समस्त नेताओं कार्यकर्ताओं की तरफ से आपका बहुत–बहुत आभार व्यक्त करता हूं।कहा कि विनय यादव एक काबिल शिक्षक के साथ शिक्षक नेता हैं जो लगातार शिक्षकों के हक अधिकार के आवाज को हमेशा बुलंद करने का काम करते है हमें पूरा विश्वास है की समाजवादी प्राथमिक शिक्षक सभा का पूरे प्रदेश में एक मजबूत संगठन खडा होगा और समाजवादी पार्टी मजबूत होगा ।

मुख्य रूप विधायक,तूफानी सरोज,लकी यादव, रागिनी सोनकर, पंकज पटेल,पूर्व विधायक लालबहादुर यादव, राजबहादुर यादव, राजन यादव, राहुल त्रिपाठी दीपचंद राम,संजय सरोज श्रवण जयसवाल,राजेन्द्र टाईगर अनील फौजी, दिनेश फौजी,नीरज पहलवान अनील दूबे विनोद ऐडवोकेट, घनश्याम यादव, तौफीक अहमद रमाशंकर यादव अखिलेश यादव, दिनेश गौतम, अजय प्रजापति,तारा त्रिपाठी आदि लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त किया।

मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत कमलेश तिवारी की अध्यक्षता में बूथ पर निकली गई कलश यात्रा

सुजानगंज जौनपुर

क्षेत्र के ग्राम पंचायत बरपुर से भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश भर में मनाया जा रहा अमृत महोत्सव के तहत मेरी माटी मेरा देश अभियान के प्रेरणास्वरूप कार्यक्रम के तहत बूथ 86बूथ अध्यक्ष कमलेश तिवारी के नेतृत्व में देश के लिए अपना सर्वस्व बलिदान करने वाले शहीद वीर–वीरांगनाओं के सम्मान में रैली का आयोजन हुआ। मेरी माटी मेरा देश अभियान कार्यक्रम में वक्ताओं ने प्रधानमंत्री के कार्यशैली एवं उनकी योजनाओं को जनमानस तक पहुचाने का संकल्प लिया तथा कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया जहाँ पर मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि कमलेश बरनवाल, रोजगार सेवक पंकज मणि तिवारी, शैलेश, सतीश तिवारी, आंगनबाड़ी साधना, सविता, कविता, आशा विजय लक्ष्मी भाजपा कार्यकर्ता आदि ग्राम वासी यह रैली प्राथमिक विद्यालय बरपुर से पंचायत भवन होते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं के घर पर संपन्न हुई।

विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी।

मेरी माटी मेरा देश के तहत अतरौरा गांव में आयोजन सम्पन्न

अतरौरा गांव में हर घर से मिट्टी हुआ एकत्रित।

क्राइम रिपोर्टर – धनन्जय विश्वकर्मा

जौनपुर। विकास खण्ड शाहगंज क्षेत्र के अतरौरा गांव में मेरा माटी मेरा देश के तहत घर–घर से मिट्टी एकत्रित किया गया और इस दौरान करीब दश दर्जन घरों से मिट्टी एकत्रित हुआ । यह मिट्टी दिल्ली में अमृत वाटिका के लिए बनाने के लिए हर ब्लॉक से भेजी जा रही है।

अतरौरा ग्राम प्रधान कैलासी देवी, पूर्व प्रधान फकरे आलम,पूर्व BDC राजेन्द्र सिंह (राजू), व भाजपा बूथ अध्यक्ष मदन विश्वकर्मा, सरोजा पाठक महिला मोर्चा अध्यक्ष, मोहम्मद जिशान(प्रधान प्रतिनिधि), के अगुवाई में मेरा माटी मेरा देश के तहत राजेन्द्र सिंह के घर से कलश में माटी एकत्रित करना प्रारम्भ हुआ जो ग्राम पंचायत अतरौरा में लगभग दश दर्जन से ज्यादा घरों से मेरी माटी लेकर मेरा देश अभियान सम्पन्न हुआ। इस दौरान उपस्थित लोगों को इसके लिए संकल्प दिलाया और कहा कि देश में अभी ऐसे बहुत वीर सपूत जो आजादी के लिए शहीद हुए हैं उन्हे सम्मान देने के लिए उनके याद मे सरकार दिल्ली मे अमृत वाटिका बनाने का कार्य कर रही है। जिसके लिए पूरे प्रदेश के सभी ब्लॉकों से गांव– गांव और घर–घर जाकर मिट्टी इकट्ठा किया जा रहा है। जो दिल्ली भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि इसमें सब लोग सहयोग दें । इसके साथ ही अतरौरा गांव में घर–घर जाकर मिट्टी इकट्ठा किया गया। इस दौरान शिवाकांत पाठक, मोनू पाठक, चन्द्रकला पाठक, सुरसत्ती सिंह, अशोक सिंह,अनिल पाठक, शिवदीप सिंह, सुरेन्द्र प्रजपति, तुफेल अहमद, जावेद खघन, दिनेश गुप्ता, लालमन गुप्ता, जमशेद खान, जुम्मन अली, अयूब, मोहम्मद एहसान, मोनू विश्वकर्मा, नशेरुद्दीन, रशीद शाह, सोभावती सिंह, सुभद्रा गुप्ता,आबुतलहा, कल्लन,सकील अहमद, प्रीतम गौतम, संजय कुमार,आदि ग्रामवासी मेरी माटी मेरा देश के तहत आयोजन में मौजूद रहें।

मेरी माटी, मेरा देश अमृत कलश यात्रा कार्यक्रम यात्रा को लेकर बैठा सम्पन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी अनुज कुमार झा के निर्देश के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत मेरी माटी, मेरा देश अमृत कलश यात्रा कार्यक्रम के आयोजन के संबंध में बैठक संपन्न हुई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने ग्रामीण क्षेत्र, शहरी क्षेत्र, ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर पर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की रूप–रेखा की जानकारी सम्बन्धित अधिकारियों से प्राप्त की इसके साथ ही उन्होंने निर्देशित किया कि 11 सितम्बर से 30 सितम्बर 2023 के मध्य प्रत्येक गांव के महिला मंगल दल, ग्राम पंचायत के सदस्य, स्वयं सेवी ग्रामीणजन गांव में प्रत्येक घर से मुट्ठी भर मिट्टी अथवा चुटकी भर चावल प्रत्येक घर से संचयन करेंगे तथा अमृत कलश में संग्रहण करेंगे और ब्लाक स्तर पर भी अमृत कलश तैयार करते हुए जिला मुख्यालय पर पहुचाया जायेगा। हर ग्राम में अमृत वाटिका स्थापित किया जायेगा और तिरंगा रैली भी निकाली जायेगी।

इस अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा नियत तिथि पर आयोजित ब्लॉक स्तरीय समारोह में आयोजित वीरो का सम्मान भी किया जाएगा तथा ज्यादा की संख्या में जन भागीदारी सुनिश्चित किए जाने हेतु भी उन्होंने निर्देशित किया।

हत्या के पांच आरोपी साक्ष्य के अभाव में बरी

सुलतानपुर– बल्दीराय थाना क्षेत्र में 15 साल पूर्व धारदार हथियार से युवक की हत्या करने के पांच आरोपियों को न्यायाधीश एकता वर्मा ने साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है।बचाव पक्ष से दो आरोपियों के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने बताया कि आशनाई के सन्देह में दो अप्रैल 2008 की रात देहली बाजार से कनेहटी स्थित दुकान के लिए निकले राजकुमार गुप्ता की हत्या कर दी गई थी। दूसरे दिन उसका शव खाना जोत में गेहूं के खेत में मिला था।अज्ञात में दर्ज मुकदमे में विवेचना के दौरान पुलिस ने कनेहटी निवासी गौसुज्जमा,अफरोज,गुड्डू,असगर अली और बहेरी निवासी कलाम पर हत्या और साक्ष्य मिटाने के आरोपों में चार्ज शीट दाखिल की। पुलिस ने आरोपी कलाम के कब्जे से खून लगा चाकू भी बरामद किया जिसे जांच के लिए विधि विज्ञान प्रयोगशाला भेजा गया। चाकू पर लगा खून मृतक राजकुमार का ही था यह जांच में साबित नहीं हो सका। अभियोजन पक्ष ने मामले में 11 गवाह पेश किए लेकिन दोषी ठहराने के लिए कोर्ट ने इसे पर्याप्त नहीं पाया। कोर्ट ने साक्ष्य एवं तर्कों के आधार पर सभी आरोपियों को मुकदमे से बरी कर दिया है।

संस्कृत प्रतिभाओं को खोज कर निकालना प्रतियोगिता का उद्देश्य - आचार्य खगेन्द्र कुमार मिश्र

संस्कृत प्रतिभाखोज प्रतियोगिता में छात्राओं ने मारी बाजी

सुजानगंज जौनपुर

उत्तर प्रदेश सरकार के भाषा विभाग द्वारा संचालित उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान के माध्यम से सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में संस्कृत प्रतिभाखोज प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है उसी क्रम में जनपद जौनपुर के जनपदीय प्रतियोगिता में उपस्थित प्रदेश संचालन समिति के सदस्य आचार्य खगेन्द्र कुमार मिश्र ने कहा कि संस्कृत के प्रतिभाओं को खोज कर निकालना एवं संस्कृत के भावी भविष्य को तैयार करना इस प्रतियोगिता का मूल उद्देश्य है ।

संस्कृत प्रतिभाखोज प्रतियोगिता में छात्राओं ने मारी बाजी मुस्कान मिश्रा,अलेख्या गुप्ता,देवांश पाण्डेय,राहुल कुमार पाण्डेय ने प्राप्त किये प्रथम स्थान

उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ द्वारा संस्कृत प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन जौनपुर स्थित श्री जगत नारायण संस्कृत महाविद्यालय में किया गया। जिसमें संस्कृत गीत प्रतियोगिता में राष्ट्रीय इंटरमीडिएट कॉलेज जौनपुर की छात्रा मुस्कान मिश्र ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया।तथा द्वितीय स्थान अंशू यादव,तृतीय स्थान ज्योतिका त्रिपाठी , वही संस्कृत वाचन प्रतियोगिता में जे पी इंटरनेशनल स्कूल सुजानगंज जौनपुर की छात्रा अलेख्या ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा द्वितीय स्थान आराध्या त्रिपाठी, तृतीय स्थान अभिनव शर्मा ,इसी क्रम में संस्कृत सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में श्री गौरी शंकर संस्कृत माध्यमिक विद्यालय के छात्र राहुल पांडेय एवं आदर्श भारती संस्कृत माध्यमिक विद्यालय के साथ दिव्यांश पांडेय ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया। तथा द्वितीय स्थान सार्थक उपाध्याय, आयुष मणि त्रिपाठी (ग्रुप) तृतीय स्थान सुदक्षिणा ,नम्रता (ग्रुप) ने प्राप्त किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उमामहेश्वर संस्कृत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ ज्ञान प्रकाश मिश्र रहे ।अपने उद्बोधन में श्री मिश्र ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों को आयोजित कर उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान द्वारा निश्चित रूप से सराहनीय कार्य किया जा रहा है ।

विशिष्ट अतिथि के रूप में संस्कृत प्रतिभाखोज प्रतियोगिता के राज्य संयोजक आचार्य खगेन्द्र कुमार मिश्र की उपस्थिति रही तथा श्री विजय नारायण तिवारी, श्री विनोद कुमार तिवारी, डॉ रामचन्द्र चौबे, डॉ रविन्द्र पाण्डेय,डॉ श्यामजीत पाण्डेय ,श्री सन्दीप तिवारी निर्णायक के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 कन्हैया लाल पाण्डेय एवं सफल संचालन जनपद संयोजक श्री शिवानन्द चौबे ने किया ।कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न विद्यालयों के सैकड़ों छात्र एवं छात्राओं के साथ अध्यापक गण उपस्थित रहे ।

विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी

धोखाधड़ी के मामले में साइबर थाने ने वापस कराया पीड़िता के रुपये

पीड़ित के परिजनों ने थाना साइबर कर्मियों की भूरि भूरि प्रशंसा

अयोध्या। नगर कोतवाली के रामनगर कालोनी निवासी एक युवती ने अपने कालेज दोस्त के बहकावे में आकर मारिया स्मिथ के इंस्टाग्राम खाते में कुल 5 लाख 30 हजार रूपये जमा कर दिया। रकम वापस न मिली और ठगे जाने की जानकारी हुई तो उसने साइबर थाने पर ध ोखाधड़ी और आईटी एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई।जिसे गंभीरता से लेते हुए साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक आलोक वर्मा ने पीड़िता को धन वापस कराया।जिसके चलते पीड़िता के परिजनों ने साइबर टीम की भूरि भूरि प्रशंसा किया।बताते चलें कि इस मामले में विवेचना में जुटी साइबर थाना पुलिस ने पीड़िता के खाते में और डेढ़ लाख रूपये वापस कराया है।पूर्व में भी इतनी ही रकम वापस कराई थी। पीड़िता सोनम जायसवाल

का कहना है की उसने सहेली के कहने पर इंस्टाग्राम पे पर 60 हजार रूपये जमा कराये थे। बाद में मारिया स्मिथ के इंस्टाग्राम एकाउंट से उसे रकम वापसी के लिए और रकम के निवेश का झांसा दिया गया और किश्तों में कुल 5 लाख 30 हजार रूपये जमा कराये गए। रकम वापसी के लिए दबाव बनाने पर आनाकानी हुई तो सहेली को फोन किया।पीड़िता की सहेली ने इंस्टाग्रम एकाउंट हैक होने की बात कह पल्ला झाड़ लिया। फिर 18 मई को एसएसपी से शिकायत कर साइबर क्राइम थाने में 6 जून को धोखाधड़ी और आईटी एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई। सोमवार को साइबर थाना प्रभारी आलोक वर्मा का कहना है कि विवेचना के दौरान पहले पीड़िता के खाते में डेढ़ लाख रूपये वापस कराये गए थे, अब और रकम वापस कराई गई है। ठगी गई कुल रकम में से 3 लाख 5 हजार 870 रूपये वापस कराये गये हैं।

समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत का पोर्टल हुआ शुरू, करें आनलाइन आवेदन।

अयोध्या। जिलाधिकारी नितीश कुमार ने बताया कि समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक वर्ग एवं सामान्य वर्ग के गरीब व्यक्तियों के पुत्रियों की शादी हेतु सामूहिक विवाह के लिए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का ऑनलाइन पोर्टल प्रारम्भ किया गया है।योजनान्तर्गत आवेदन आनलाइन लिये जायेंगे अन्य किसी माध्यम से आवेदन पत्र स्वीकार नही किये जायेगे। आवेदक द्वारा योजना की वेबसाईट https://msvy-upsdc-gov-in पर ऑनलाइन आवेदन किया जायेगा। आवेदन की शुद्धता का दायित्व आवेदक का ही होगा योजनान्तर्गत प्रति जोड़ा रू० 51,000ध्व्यय भार नियत है, जिसमें रू0 35,000ध्कन्या के खाते में (विध ावाध्परित्यकता के स्थिति में रू० 40,000) रू0 10,000ध्की उपहार सामग्री (विधवाध्परित्यकता की स्थिति में रू0 5,000) तथा रू० 6,000ध आयोजन व्यय पर नियत हैं। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत पात्रता की शर्तें निम्नवत् हैं–कन्या के अभिभावक उत्तर प्रदेश के मूल निवासी हो तथा निराश्रित, निर्धन तथा जरूरतमन्द हों। आवेदक के परिवार की वार्षिक आय सीमा अध िकतम रू0 2 लाख तक हो। विवाह कि तिथि को कन्या की आयु 18 वर्ष या उससे अधिक होना अनिवार्य हैं तथा वर के लिये 21 वर्ष की आयु पूर्ण होनी चाहिए। आयु की पुष्टि के लिए स्कूल शैक्षिक रिकार्ड, जन्म प्रमाण पत्र मतदाता पहचान पत्र, मनरेगा जॉब कार्ड, आधार कार्ड मान्य होगे। कन्या अविवाहित हो अथवा विधवा, परित्यक्तता (तलाकशुदा) जिसका कानूनी रूप से तलाक हो गया हो, का पुनिर्वावाह किया जाना हो। अनुसूचित जातिध्जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के आवेदको को जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। विवाह हेतु निराश्रित कन्या, विधवा महिला की पुत्री दिव्यांगजन अभिभावक की पुत्री, ऐसी कन्या जो स्वयं दिव्यांग हो को प्राथमिकता प्रदान की जायेगी। उक्त जानकारी जिला समाज कल्याण अधिकारी अयोध्या ने दी है।

नई बनने वाली हर सड़क की 5 साल हो गारंटी, खराब होने पर निर्माता एजेंसी ही करे पुनर्निर्माण-सीएम योगी

अयोध्या। खबर लखनऊ से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को पांच कालीदास मार्ग मुख्यमंत्री आवास पर सड़कों को गड्ढामुक्त किए जाने के संबंध में समीक्षा बैठक की।सीएम ने नवंबर में दीपावली से पहले प्रदेश की सड़कों को गड्ढामुक्त बनाने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं।

विभिन्न विभागों के साथ बैठक करते हुए सीएम योगी ने कहा कि इस वर्ष मानसून की स्थिति असामान्य है।आने वाले दिनों में कई जिलों में लगातार बारिश की संभावना है।इसका ध्यान रखते हुए नवंबर में दीपावली से पूर्व प्रदेश व्यापी सड़क गड्ढामुक्ति का अभियान चलाया जाए। सीएम ने कहा कि जहां बरसात की स्थिति हो वहां, बोल्डर डालकर रोलर चलाकर आवागमन सुगम किया जाए।

सीएम योगी ने कहा कि लोक निर्माण विभाग, एनएचएआई, मंडी परिषद, सिंचाई, ग्राम्य विकास एवं पंचायती राज, चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास, आवास, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आदि विभागों की करीब 4 लाख किलोमीटर सड़कें प्रदेश में हैं। हर एक सड़ध्क पर चलना आम आदमी के लिए सुखद अनुभव वाला हो, यह हम सभी की जिम्मेदारी है।सीएम ने कहा कि मेट्रो ध एक्सप्रेस–वे जैसी बड़ी परियोजनाओं के कारण यदि पूर्व से संचालित सड़कें खराब होती हैं तो खराब होने के कारक विभाग को उत्तरदायी बनाया जाएगा।

गड्ढा मुक्ति अभियान के लिए विभागीय कार्य योजना से अवगत होते हुए सीएम योगी ने निर्देश दिए कि सड़ध्कों के लिए बजट का कोई अभाव नहीं है, आवश्यकता है कि सभी विभाग बेहतर नियोजन करें। सीएम ने सभी विभागों को यह निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित किया जाए सड़क बनाने वाली एजेंसीध्ठेकेदार सड़क बनने के अगले 5 वर्ष तक उसके अनुरक्षण की जिम्मेदारी भी उठाएगा। इस बारे में नियम–शर्ते स्पष्ट रूप से उल्लिखित की जाएं।

अभियंताओं को निर्माण कार्य का बैकबोन की संज्ञा देते हुए सीएम योगी ने कहा कि कहीं भी अभियंताओं की कमी न हो, आवश्यकता पड़े तो आउटसोर्सिंग से भी तैनाती की जानी चाहिए। विभागीय मंत्रियों व अध िकारियों को फील्ड में रैंडम दौरा निर्माण परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए जवाबदेही तय करने के निर्देश देते हुए सीएम ने कार्य को मैनुअल के स्थान पर मैकेनाइज्ड किये जाने पर बल दिया। सीएम ने यह भी कहा कि अभियंताओं की तैनाती केवल मेरिट के आधार पर ही की जाए।

सीएम योगी ने कहा कि प्रत्येक विभाग यह सुनिश्चित करे कि कहीं भी लोकहित से जुड़ी किसी परियोजना में माफियाध्अपराधी प्रवृत्ति के लोगों को स्थान न मिले। उनके करीबी रिश्तेदारों और गैंग के गुर्गों को भी ठेके–पट्टे से दूर रखा जाए। सीएम ने कहा कि गड्ढामुक्ति और नवनिर्माण के अभियान की जियो टैगिंग कराई जाए। इसे पीएम गतिशक्ति पोर्टल से जोड़ा जाना चाहिए।साथ ही इसी तर्ज पर अपना पोर्टल भी विकसित किया जाना चाहिए ताकि कार्य की गुणवत्ता की अनवरत मॉनीटरिंग की जा सके। नगर विकास व ग्राम्य विकास विभाग को निर्देश देते हुए सीएम योगी ने कहा कि बरसात के कारण यदि कहीं जलभराव होता है तो तत्काल उसकी निकासी सुनिश्चित की जाए। विभागीय अधिकारी सड़कों पर मौजूद रहें। वहीं नगरों में आवारा श्वान की समस्या की चर्चा करते हुए सीएम ने प्रस्तावित एनिमल बर्थ कंट्रोल इकाइयों के शीघ्र क्रियान्वयन के अलावा अन्य उपयोगी प्रबंध करने के निर्देश भी दिए।

आध्यात्मिक नगरी अयोध्या में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व बहुत ही हर्षोल्लास और भक्तिमय वातावरण में मनाया

अयोध्या। आध्यात्मिक नगरी अयोध या में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व बहुत ही हर्षोल्लास और भक्तिमय वातावरण में मनाया गया है । जगह जगह भगवान श्रीकृष्ण के पंडाल लगे हैं और कुछ जगहों पर झांकियां भी सजाई गई हैं, पूरा नगर भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति से ओतप्रोत है। इन्हीं पूजा पंडालों और झांकियों का अवलोकन करने के लिए केंद्रीय समिति के पदाधिकारी अध्यक्ष मनोज जायसवाल के नेतृत्व में नगर भ्रमण के लिए निकले। समिति के पदाध िकारियों द्वारा नगर में स्थापित प्रत्येक पूजा पंडालों का निरीक्षण किया गया और वहां पर आयोजन समिति के कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। केंद्रीय समिति के अध यक्ष मनोज जायसवाल ने सभी समिति के पदाधिकारियों से विशेष रूप से कहा कि इस बार शोभा यात्रा समय से निकालने का प्रयास करें। श्री जायसवाल ने बताया की विसर्जन के दिन केंद्रीय समिति के सभी पदाध िकारी भ्रमणशील रहकर विसर्जन शोभायात्रा में अपना सहयोग प्रदान करेंगे और केंद्रीय समिति की एक टीम विसर्जन स्थल पर भी मौजूद रहेगी जिससे विसर्जन का कार्य शीघ्रता से संपन्न कराया जा सके। ज्ञात हो कि श्री कृष्ण जन्माष्टमी पूजा पंडाल में स्थापित भगवान श्री कृष्ण की प्रतिमाओं का कल 13 सितंबर दिन बुधवार को विसर्जन होना है और इसकी पूर्व संध्या पर नगर में जगह जगह भंडारों का आयोजन होगा और इसके साथ ही प्रमुख पूजा पंडालों पर विशेष सांस्कृ तिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया है। भ्रमण करने वालों में प्रमुख रूप से गगन जायसवाल, सुप्रीत कपूर, रोहिताश चंद्र राजू, अतुल सिंह, आलोक शंकर, राजेश गौड़, अखिलेश पाठक, बजरंगी साहू, चंदन गुप्ता,राजेश श्रीवास्तव अंजनी पांडे, अमित कनौजिया आदि शामिल रहे।

डीसीपी से त्रस्त एसीपी ट्रांसफर में जुटे

संवाददाता/लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस के एक एसीपी अपने डीसीपी से त्रस्त होकर इतने तनाव में है कि अपने ट्रांसफर में लगे हुए हैं। नोएडा की एक महिला ने पुलिस कमिश्नर नोएडा से टीपी नगर, थाना फेस 3, नोएडा के पूर्व चौकी इंचार्ज और अब पुलिस कमिश्नर नोएडा कार्यालय में तैनात धर्मेंद्र लांबा द्वारा उनके साथ दुष्कर्म किए जाने के मामले में एफआईआर की मांग की।

मण्डलायुक्त ने सुरक्षा को लेकर कई अधिकारियों के साथ बैठक

अयोध्या। मण्डलायुक्त गौरव दयाल की अध्यक्षता में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के साथ अयोध्या आने वाले श्रद्वालुओं की संख्या में बढ़ोत्तरी के दृष्टिगत पार्किंग एवं सुरक्षा व्यवस्था के सम्बंध में एक आवश्यक बैठक आयुक्त सभागार में आयोजित की गयी जिसमें पुलिस महानिरीक्षक प्रवीण कुमार, जिलाधिकारी नितीश कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजकरण नय्यर, नगर आयुक्त श्री विशाल सिंह उपस्थित रहे। बैठक में पुलिस विभाग द्वारा चयनित अयोध्या के विभिन्न 39 पार्किंग स्थलों के सम्बंध में समीक्षा की गयी। उन्होंने चयनित स्थलों का पुलिस व राजस्व विभाग के अधिकारियों की संयुक्त टीम द्वारा निरीक्षण कर भूमि की प्रकृति व उसकी नवैय्यत आदि की जानकारी प्राप्त करने के निर्देश दिये ।इसके अतिरिक्त अयोध्या के यातायात योजना आदि की भी चर्चा की।

बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित सिंह, अपर जिलाधिकारी नगर श्री सलिल पटेल, एसपी यातायात आर एस गौतम, सीओ ट्रेफिक सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

एकीकृत नाशी जीव प्रबंधन पर गोष्ठी का आयोजन।

मिल्कीपुर–अयोध्या। मिल्कीपुर इनायतनगर के राजस्व ग्राम गुजरा मऊ में कृषि विभाग के कृषि रक्षा अनुभाग द्वारा आई.पी.एम. पर एक दिवसीय गोष्ठी का आयोजन किया गया गोष्ठी में कृषि रक्षा इकाई प्रभारी डॉ अवध ेश कुमार द्वारा किसानों को बताया गया कि किसान भाई बीज बुवाई से लेकर फसल कटाई उपरांत अनाज के भण्डारण तक जैविक का ही प्रयोग करें । प्रभारी द्वारा किसानों को बताया गया कि वर्तमान में दलहनी फसल जैसे अरहर , मूंग एवं उर्द तथा श्रीअन्न की बुवाई का समय चल रहा है, किसान भाई जैविक फफूंद नाशक ट्राइकोडरमा से बीज को उपचारित करके ही बीज की बुवाई करें जिससे बीज के जमाव पश्चात फसल में बीमारी लगने की संभावना को कम करके अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सके गोष्टी के समय, अर्जुन यादव प्राविधिक सहायक द्वारा किसानों को जैविक खेती के बारे में विस्तार से बताया गया तथा ब्लॉक तकनीकी प्रबंधक श्री प्रभाकर सिंह के द्वारा किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन पर प्रकाश डाला गया गोष्ठी के समय कृषि विभाग के कर्मचारी रक्षाराम यादव, आभाष श्रीवास्तव, सुशीला श्रीराम मौर्य उपस्थित रहे।

रामनगरी में राम मंदिर के उदघाटन की तारीख तय होते ही इस मुद्दे पर सियासत हो गयी तेज।

अयोध्या। रामनगरी में राम मंदिर के उदघाटन की तारीख तय होते ही इस मुद्दे पर सियासत तेज हो गई है। शिवसेना के उद्धव ठाकरे ने यह कहकर सियासी माहौल गरमा दिया है कि मंदिर दर्शन के बहाने बीजेपी अयोध्या में पूरे देश से लोगों को बुलाएगी। लोग बसों– ट्रकों और ट्रेनों में भर भरकर अयोध्या पहुंचेंगे और फिर वापसी में गोधरा जैसे कांड को अंजाम दिया जा सकता है। ठाकरे के इस बयान पर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर के साथ विहिप की प्रतिक्रिया भी आई है। इस मुद्दे पर सियासी गरमी को देखते हुए संभावना जताई जा रही है कि 2024 चुनाव में यह मुद्दा एक बार फिर गरम रह सकता है।

युवा महंत पर जानलेवा हमला करने वाला जितेन्द्र यादव गिरफ्तार, सीमा यादव हुई फरार।

अयोध्या। थाना रामजन्मभूमि के अंतर्गत मंदिर के कब्जेदारी को लेकर सरयुकुंज के युवा महन्थ राम मिलन शरण पर जानलेवा हमला करने वाली सीमा यादव व जितेंद्र यादव के खिलाफ थाना राम जन्मभूमि में जानलेवा हमले की धारा 307, 504,506 आईपीसी के तहत दर्ज हुआ मुकदमा आरोपियों के द्वारा युवा महन्थ को जमीन पर पटक कर बल पूर्वक लातघूसों व ईंटे से किया था प्रहार जानलेवा हमले का वीडियो हुआ था वायरल श्रीराम हॉस्पिटल में पुलिस ने पीड़ित का मेडिकल कराया उसके आधार पर दर्ज हुआ मुकदमा आरोपी अभियुक्त जितेन्द्र यादव को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है पर सीमा यादव फरार हो गयी है पुलिस उसके ठिकानों पर दविश दे रही है।

श्री कृष्णा छठ जन्म उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

अयोध्या। अयोध्या स्थित प्राचीन मंदिर बृजमोहन कुंज में श्री कृष्णा छठ उत्सव भारतीय जनता पार्टी महानगर अध्यक्ष श्री अभिषेक मिश्रा जी के सानिध्य में बृहद प्रसाद वितरण कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. कार्यक्रम में देश प्रदेश के तमाम जनप्रतिनिधियों के साथ–साथ अनेकों संत महंतों का सानिध्य एवं आशीर्वाद प्राप्त हुआ महानगर अध्यक्ष अयोध या अभिषेक मिश्र जी ने सभी संत महंतों एवं जन प्रतिनिधि का स्वागत सत्कार करते हुए सभी को स्वागत पूर्वक प्रसाद ग्रहण करवाया एवं देश की प्रगति के लिए सभी की आशीर्वाद की कामना की. कार्यक्रम में हजारों की संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

बरसात रुकी और टीचर स्कूल पहुंचे तो छुट्टी की हुई घोषणा, अध्यापकों में नाराजगी

अयोध्या। जिले में शाम 9 बजे से ही हल्की से मध्यम बरसात हो रही थी, रात भर आसमान में आतिशबाजीधबिजली चमकने और तेज आवाज होने लोगो की नींद उड़ी थी। शिक्षा विभाग भोर में कोई आदेश नहीं दे पाया, जब लगभग बरसात रुक गई और अध्यापक या तो स्कूल पहुंच गए या रास्ते में है तो अवकाश बताया जा रहा है। इससे अध्यापकों में काफी नाराजगी है।

एयरटेल की नेटवर्किंग सर्विस खराब, उपभोक्त परेशान

मिल्कीपुर–अयोध्या। मिल्कीपुर तहसील क्षेत्र के रेवतीगंज एवं घुरेहटा गांव में एयरटेल का नेटवर्क अपने उपभोक्ताओं को काफी रुला रहा है। उपभोक्ताओं ने बताया कि उनके यहां एयरटेल का नेटवर्क दिन भर में तीन चार बार डेड हो जाता है और कभी–कभी यह स्थिति घंटों बनी रहती है। बताया गया कि यहां पर बीएसएनएल काफी पहले से मृतप्राय हो चुका है। ऐसी स्थिति में मोबाइल उपभोक्ताओं को नेटवर्क के लिए काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। एयरटेल उपभोक्ता विजय कुमार, अवधेश, राकेश, सुनीता, विकास, योगेन्द्र सहित दर्जन भर लोगों ने बताया कि वर्तमान में एयरटेल की सर्विस काफी खराब हो चुकी है। उपभोक्ताओं ने कहा कि यदि एयरटेल के नेटवर्क में सुधार नहीं हुआ तो हम लोग दूसरी संचार कम्पनी की सेवा लेना शुरू कर देंगे।

विश्वगुरु बनने की ओर बढ़ रहा है भारत

संवाददाता

लखनऊ। दिल्ली के प्रगति मैदान में दो दिवसीय जी–20 शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमे कई देशों के राष्ट्रध्यक्ष शामिल हुए। केंद्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर जी ने जी 20 के शिखर सम्मेलन के समापन के पश्चात दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यूं सुक–योल व इटली की प्रधानमंत्री जर्जिया मेलोनी को पालम एयरपोर्ट, दिल्ली पर विदाई और आभार व्यक्त किया।

अंतर्मन की गहराई में जाने से चित्त शुध्दि होती है तब कार्य सिध्द होता है : जयेश भाई

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

अहमदाबाद। सबल नंदिनी शिविर के उद्घाटन सत्र में जयेश भाई ने कहा कि हमें दृढता और विनम्रता की साधना करना है। आज समाज और देश में बहुत–सी प्रवृत्तियां चल रही हैं। इससे समाज का थोडा बहुत भला होता है। लेकिन इससे समाध ान नहीं होता। ऊँकार मुख्य कारण उसमें आध्यात्मिक तत्व का अभाव होना है। सेवा कार्य में भक्ति और अध यात्म को दाखिल करने का मार्ग विनोबा ने सुझाया। उन्होंने अपने जीवन में समग्र को अपनाया। श्री जयेश भाई ने कहा कि बहुत बार हम मन और बुध्दि के स्तर पर कार्य करके संतुष्ट हो जाते हैं। हमें इसके आगे प्रज्ञा और विवेक को पार कर आत्म तत्व का स्पर्श करने की आवश्यकता है। श्री जयेश भाई ने अपनी जापान यात्रा के अनुभव बताते हुए कहा कि वहां पर प्रत्येक क्रिया में कृतज्ञता का भाव है। अनेक संकटों को जापानियों ने जितने धैर्य से सहन किया है, वह दुनिया के लिए मिसाल है। मृत्यु को प्राप्त हो जाने के बाद परिवारजनों द्वारा लाखों की संख्या में पौधे लगाए गये हैं। स्मृति को चिरस्थायी करने का यह अनूठा उदाहरण है। श्री जयेश भाई ने कहा कि हमने वह दौर भी देखा है जब सामाजिक कार्य को लेकर बहुत सारे आक्षेप लगाए गये, लेकिन मौन रहकर सेवा का परिणाम आज दिखायी देता है। इसमे मैत्री भाव ने बहुत सहायता की। श्री जयेश भाई ने गौतम बुध्द का उदाहरण देते हुए कहा कि करुणा दृष्टि के बिना मैत्री की साधना कठिन है। इसके साथ सत्य और प्रेम आ ही जाता है। विनोबा ने अपने जीवन में सत्य, प्रेम और करुणा की साधना की। उन्हें भौतिक रूप से भूमि दान में मिली और आध्यात्मिक दृष्टि से समाज में करुणा का बीजारोपण हुआ। श्री जयेश भाई ने कहा कि प्रवृत्ति से बहुत अधिक बात बनती नहीं है, बल्कि कार्य में गहराई होना चाहिए। अंतर्मन की गहराई में जाने से चित्त शुध्दि होती है तब कार्य सिध्द होता है। सामूहिक साधना में चित्त शुध्दि का स्थान महत्वपूर्ण है। इस चित्त शुध्दि में सफाई कार्य एक आलंबन है, जिससे अहंकार का निरसन होता है।

इसके पूर्व सुघड में स्थापित विनोबा जी और महात्मा गांधी की मूर्ति के सामने प्राकृतिक वस्तुओं से रंगोली बनायी गयी। फिल्म डिविजन द्वारा विनोबा जी पर बनाए गये वृत्त चित्र का प्रदर्शन किया गया। द्वितीय सत्र में सभी प्रतिभागियों ने अपना परिचय दिया। सबल नंदिनी शिविर में गुजरात, हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश झारखंड बिहार माधप्रदेश राजस्थान उत्तराखंड के प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। दोपहर के बाद के सत्र में महराजा रणजीत सिंह कालेज इंदौर के प्रोफेसर डा पुष्पेंद्र दुबे ने विनोबा जी की शांतिसेना सर्वोदय पत्र खादी मिशन, आचार्य कुल जैसे विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। ऋषिकेश के संत सिद्धार्थ कृष्ण ने अपनी बात कहते हुए बताया कि मैत्री का प्रयोग बुद्ध भगवान के समय से हुआ।

किसान मेला, गोष्ठी एवं प्रदर्शनी का किया गया आयोजन

प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री द्वारा किसानों की आमदनी दोगुनी करने के लिए अनेकों योजनायें चलायी जा रही हैं: अशोक सिंह

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (आत्मा) योजनान्तर्गत किसान मेला, गोष्ठी एवं प्रदर्शनी का आयोजन आज सम्भागीय कृषि परीक्षण एवं प्रदर्शन केन्द्र निकट बिलग्राम चुंगी, हरदोई में किया गया। अध्यक्ष जिला सहकारी बैंक अशोक सिंह, हरदोई द्वारा मेले एवं प्रदर्शनी का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा लगाये गये स्टालों का अवलोकन मुख्य अतिथि जी एवं किसानों द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि ने कहा कि प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री जी द्वारा किसानों की आमदनी दोगुनी करने के लिए अनेकों योजनायें चलायी जा रही है। उन्होने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अन्तर्गत किसानों के खाते प्रतिवर्ष छः हजार रूपये सीधे खाते में भेजने का काम किया है, जिसमें से हरदोई के किसान भी लाभान्वित हुए है। उन्होने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री जी के द्वारा श्री अन्न फसलों की महत्ता को समझते हुए अन्तर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष 2023 को संयुक्त राष्ट्र संघ से अनुमोदित कराया और देश और प्रदेश में श्री अन्न फसलों की खेती को बढ़ावा देकर किसानों की आय एवं लोगो का स्वास्थ्य सुरक्षित करने के लिए कदम उठाया। मुख्य अतिथि द्वारा यह भी उल्लेख किया कि जनपद में 131 प्राथमिक सहकारी समितियों कियाशील है, जिसके माध्यम से किसान भाइयों को सस्ते दर पर ऋण, खाद एवं बीज की सुविधा प्राप्त हो रही है। उन्होने किसान भाइयों से आग्रह किया कि.. अपने नजदीकी सहकारी समितियों के सदस्य बनकर लाभ प्राप्त कर सकते है। मुख्य अतिथि ने किसानों से आग्रह किया कि किसान भाई अपनी खेती में विविधिकरण जैसे खेती के साथ पशुपालन, सब्जी, फल, मत्स्य पालन कर अपनी आय बढ़ा सकते है। उन्होंने किसान भाइयों से आग्रह किया कि वृक्षारोपण एवं पेड़ों को कटने से बचाकर पर्यावरण एवंज ल का संरक्षण कर सकते है। उक्त अवसर पर मुख्य अतिथि जी द्वारा कृषक सर्वेश कुमार, शैलेन्द्र कुमार ग्राम मरई को पावर स्प्रेयर मशीन तथा इसके अतिरिक्त कृषक उमेश तिवारी, सूरत सिंह, संजीव राजेश कुमार, सुदर्शन, श्रीराम, अशोक एवं विमलेश को तोरिया मिनीकिट बीज वितरित किये गये। डा० नन्द किशोर, उप कृषि निदेशक ने प्रध ानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, फसल अवशेष प्रन्धन हेतु अनुदान पर वितरित कृषि यंत्रों की योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना एवं श्री अन्न (मिलेट्स) की खेती के बारे में किसानों को विस्तृत जानकारी दी। डा० डी०बी० सिंह, वैज्ञानिक के०वी०के० हरदोई ने सब्जियों की उन्नतशील खेती के बारे में बताया गया। डा० सी०पी०एन गौतम, वैज्ञानिक, के०वी०के०, हरदोई ने खरीफ फसलों में लगने वाले रोग एवं कीट प्रबन्धन के बारे किसानों को जानकारी दी। अखिलेश प्रताप सिंह, सहायक निबन्धक, सहकारी समितियाँ, हरदोई द्वारा किसान भाइयों को बताया कि सहकारी समितियों का सदस्य बनकर सहकारी समिति से ऋण, खाद एवं बीज सस्ते दर पर प्राप्त कर सकते है। उप मुख्य पशुचिकित्साध िकारी द्वारा किसानों को पशुपालन की खेती के बारे जानकारी दी। ओम ओमर द्वारा किसान भाइयों को दलहनी, तिलहनी एवं धान फसलों से सम्बन्धि ात कीट एवं रोग नियंत्रण एवं आगामी रबी सीजन में उगाई जाने वाली फसलों के लिए खेत की तैयारी के सम्बन्ध में चर्चा की गयीं। विनीत कुमार, उप सम्भागीय कृषि प्रसार अध िकारी, सदर ने किसान भाइयों को गौ आधारित प्राकृतिक खेती में बारे जानकारी दी। कार्यक्रम में उप कृषि निदेशक, वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केन्द्र, भूमि संरक्षण अधिकारी, उप मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, समन्वयक फसल बीमा, ज्येष्ठ गन्ना, आशुतोष पाण्डेय, वप्रा०सहा०ग्रुप–ए रामकिशोर तिवारी, व०प्रा०सहा०ग्रुप–ए, सोनी कुशवाहा, व०प्रा०सहा०ग्रुप–ए एवं विभिन्न विभाग से अधिकारी/कर्मचारी व कृषक उपस्थित रहे।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।